卐 श्री सदगुरू देवाय नमः 卐 卐 ओ३म् 卐 卐 जय माता दी 卐
卐 सीताराम बाबा जी 卐卐 जय बाबा की 卐卐 श्याम बाबा 卐 卐
卐 ! जाके सुमिरन तें रिपु नासा!! ! नाम सत्रुहन बेद प्रकासा!! 卐

उल्लंघ्य सिन्धोः सलिलं सलीलं,यः शोकवह्निं जनकात्मजायाः आदाय तेनैव ददाह लंकां,नमामि तं प्राञ्जलिराञ्जनेयम्
मनोजवं मारुत तुल्य वेगं,जितेन्द्रियं बुद्धिमतां वरिष्ठम् वातात्मजं वानरयूथ मुख्यं, श्रीराम दूतं शरणं प्रपद्ये

केन्द्र व उत्तरांचल सरकार से विज्ञापन मान्यता प्राप्त

हिन्दी सान्ध्य दैनिक

उत्तरांचल दर्पण

♦वर्ष 23 ♦अंक 266 ♦पृष्ठ 8 ♦रूद्रपुर(ऊधमसिंहनगर) ♦सोमवार ♦3 जुलाई 2023 ♦मूल्य दो रूपया

darpan.rdr@gmail.com | 9897427585 | UTTARANCHAL DARPAN | www.uttaranchaldarpan.in

GAGNEJA PROPERTIES
CONTACT FOR SALE, PURCHASE RENT & LEASE
✔ Shops ✔ Houses
✔ Industrial Property
✔ Commercial Property
✔ Agriculture Land
REAL ESTATE WITHOUT THE HASSLE
MO.-8630672525,8279444462
ADD- SRA F69, Shop No.4, Adarsh Colony, Rudrapur

राष्ट्र निर्माण में हर व्यक्ति का योगदान जरूरी:सीडीएस

सीडीएस अनिल चौहान ने सैन्य धाम के अमर जवान ज्योति की आधारशिला रखी

देहरादून (उद संवाददाता)। चीफ आफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने दून पहुंचकर गुनियाल गांव में बन रहे सैन्य धाम के अमर जवान ज्योति की आधारशिला रखी। इस दौरान राज्यपाल ले जनरल (सेवानिवृत) गुरमीत सिंह और कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी व व वीर नारियां भी मौजूद रहीं। इस दौरान उत्तराखंड के पंचम धाम सैन्य धाम में बलिदानियों के आंगन की पवित्र माटी को अमर जवान ज्योति के निर्माण में प्रतिस्थापन किया गया। 1734 बलिदानियों के आंगन की पवित्र मिट्टी के साथ-साथ प्रदेश की सभी प्रमुख नदियों से एकत्रित पवित्र जल भी अमर जवान ज्योति के मुख्य स्तंभ की आधारशिला में अर्पित किया गया। इस अवसर पर सीडीएस अनिल चौहान ने कहा कि आज मेरे लिए गर्व और सम्मान की बात है कि अमर जवान ज्योति की स्थापना में शामिल हुआ। कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा और राष्ट्र निर्माण में हर व्यक्ति का योगदान जरूरी है। यूं तो देश में कई युद्ध स्मारक हैं, पर पहली बार

आध्यात्मिक रूप से किसी स्थल का निर्माण किया जा रहा है। इस अवसर पर राज्यपाल ले जनरल गुरमीत सिंह ने कहा कि आज गुरु पूर्णिमा है। दिव्य, भव्य और शुद्ध विचार हो तो ईश्वर भी साथ देता है। सैन्यधाम के लिए 1734 शहीदों के घर की मिट्टी लाई गई। साथ ही प्रदेश की 28 नदियों का पावन जल लाया गया। ऐसा आत्मिक संगम कभी नहीं हुआ। उन्होंने प्रथम सीडीएस बिपिन रावत को याद किया। कहा कि सीडीएस अनिल चौहान के साथ जम्मू कश्मीर में काम किया। सैन्यधाम न केवल यात्रा के लिहाज से महत्वपूर्ण होगा बल्कि आने वाली कई पीढ़ियों को प्रेरणा देता रहेगा। उत्तराखंड पूरे राष्ट्र के लिए उदाहरण है कि किस तरह बलिदानियों और सैनिकों का सम्मान किया जाए। कहा कि पूर्व सैनिकों की हर समस्या मेरी समस्या है।उनके लिए राजभवन के दरवाजे हमेशा खुले हैं। पूर्व सैनिकों के लिए (शेष पृष्ठ सात पर)

गुरू मां
उत्तराखंड की सबसे बड़ी इलेक्ट्रॉनिक्स रिटेल चेन
गर्मियों में ठंड जैसी राहत
गुरू मां
36 महीने तक की EMI उपलब्ध
Budget Ac
Premium Split Ac
Mid-Range Split Ac
Heavy-Duty Split Ac
Easy EMI Options Available
SONY Whirlpool SAMSUNG IFB Haier BOSCH VOLTAS
DAIKIN HITACHI MITSUBISHI ELECTRIC GENERAL LLOYD BLUE STAR
Refrigerator की सबसे बड़ी रेंज उपलब्ध
Deep Freezer की सबसे बड़ी रेंज उपलब्ध
RO Purifier की सबसे बड़ी रेंज उपलब्ध
Water Dispencer की सबसे बड़ी रेंज उपलब्ध
Air Cooler की सबसे बड़ी रेंज उपलब्ध
RUDRAPUR- Civil Line +91-9927882338, Kashipur Bypass +91-9690282777 , Kashipur Bypass +91-9756233166 , Sony Center +91-9917170230 KASHIPUR- Ramnagar Road +91 8791989500, Cheema Chauraha +91 9927813555 HALDWANI- Tikonia +91-9997207007, Pilikothi +91-8923468434, Pilikothi +91-9690256666, HARIDWAR- Haridwar +91-9761699704 MORADABAD- Moradabad +91-7500839146, GADARPUR- Near Super Market +91-9927850999, KICHHA- Kichha +91-7017595920, LOHAGHAT- Daak Bangla Road +91-9568035735 DEHRADUN- Kaluagarh Road +91-8394949454 PANIPAT- West Market Opp. Central Bank +91-8607964000 KARNAL-Mangal Singh Market +91-8684077000 , 49 Ram Nagar +91-8908350000

लाखों के जेवर और नगदी चोरी

रूद्रपुर(उद संवाददाता)। खेड़ा बस्ती में अज्ञात चोरों ने बंद घर में धावा बोलकर लाखों के जेवर और पचास हजार की नगदी पर हाथ साफ कर लिया। घर में घुसे चोरों की फुटेज सीसी टीवी में कैद हुयी है जिसके आधार पर पुलिस ने चोरों की तलाश शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक खेड़ा निवासी रिहान पुत्र असगर शुक्रवार को पत्नी सितारा को लेने के लिए मायके गया था। वापस लौटा तो घर का सामान अस्त व्यस्त देख उसके होश उड़ गये। रिहान ने बताया कि दीवार (शेष पृष्ठ सात पर)

मूलभूत जन समस्याओं का समाधान प्राथमिकता: डीएम

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। जनपद में आम जनता की मूलभूत समस्याओं को समाधान करने के साथ शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाना मेरी प्राथमिकता रहेगी। यह बात जनपद के नवनियुक्त जिलाधिकारी उदयराज सिंह ने यहां पत्रकारों से बातचीत करते कही। उन्होंने कहा कि वह वर्ष 2010 बैज के अधिकारी हैं। राज्य गठन से पूर्व वह धारचुला, डीडीहाट व पिथौरागढ़ में प्रशासनिक पदों पर दायित्व निभा चुके हैं।इसके अतिरिक्त उत्तर प्रदेश में कई प्रमुख शहरों में विभिन्न प्रशासनिक पदों पर भी रह चुके हैं। वर्ष

2012 में उन्होंने उत्तराखण्ड राज्य में पदभार ग्रहण किया।जनपद में जिलाधिकारी पद का कार्यभार ग्रहण करने के बाद सर्वप्रथम सितारगंज व खटीमा के दैवीय आपदा प्रभावित क्षेत्रों का भ्रमण कर मौके का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि वह जिले में चलाई जा रही विभिन्न विकास व कल्याणकारी (शेष पृष्ठ सात पर)

सड़क हादसे में पिता की मौत, पुत्र गंभीर

खड़े ट्रैक्टर से भिड़ा छोटा हाथी वाहन

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। छोटा हाथी वाहन और ट्रैक्टर ट्राली की भिड़ंत में छोटा हाथी वाहन में सवार पिता की मौत हो गयी जबकि पुत्र गंभीर रूप से घायल है। उसे उपचार के लिए चिकित्सालय भर्ती कराया गया है। सूचना पर पुलिस ने शव का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना रविवार रात की है। बताया जाता है कि गदरपुर निवासी राकेश चन्द्रा पुत्र रमेश और उसका पुत्र राहुल दानपुर में लगने वाली साप्ताहिक बाजार से वापस गदरपुर लौट रहे थे। महतोष मोड़ के पास सड़क किनारे खड़ी ट्रैक्टर ट्राली से छोटा हाथी वाहन की जबरदस्त भिड़ंत हो गयी। हादसे में घायल पिता पुत्र को अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने राकेश को मृत घोषित कर दिया।राहुल को गंभीर (शेष पृष्ठ 7 पर)

नदी में डूबे युवक का शव बरामद

रामनगर(उद संवाददाता)। रविवार की दोपहर अपने कुछ दोस्तों के साथ मोहल्ला भरत पुरी के समीप स्थित कोसी नदी में नहाने गया एक युवक पानी के गहरे कुंड

में डूब गया। उसके साथ मौजूद दोस्तों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस द्वारा मौके पर दमकल विभाग व एसडीआरएफ की टीम द्वारा रविवार शाम नदी में डूबे युवक को खोजने के लिए सर्च अभियान चलाया गया लेकिन अंधेरा होने के चलते शव बरामद नहीं हुआ और टीम ने अपना सर्च अभियान रोक दिया। सोमवार की सुबह कोसी बैराज क्षेत्र में एक शव तैरता हुआ होने की सूचना पुलिस को मिली जिसके बाद पुलिस और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और उन्होंने कोसी बैराज में तैर रहे शव को बाहर निकाला । मृतक की शिनाख्त 24 वर्षीय निहाल कुमार निवासी ग्राम चोर पानी के रूप में हुई। कोतवाली के एसएसआई अनीस अहमद ने बताया कि मृतक वही युवक था जो रविवार को नहाने के दौरान नदी में डूबा था।पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है । घटना से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है।

चाकू की नोक पर बाईक और एटीएम कार्ड लूटा

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। धोखे से बुलाकर दो लोगों ने एक व्यक्ति से चाकू की नोक पर उसकी मोटर साईकिल तथा एटीएम कार्ड लूट लिया। बाद में कार्ड के द्वारा हजारों की नगदी भी निकाल ली गई । घटना की रपट दर्ज करा दी गई है। दर्ज रपट में राकेश बाबू पुत्र प्रेम राज निवासी आजाद नगर वार्ड 4 थाना ट्रांजिट कैम्प ने कहा है कि 27 जून को वह बाजपुर से रात्रि अपने घर वापस आ रहा था तभी अमरदीप ने कॉल कर उसे अटरिया के पुल पर बुलाया और बोला उसे एलआईसी की चार किस्त जमा करनी है तथा उसके दोस्त को नई एलआईसी करानी हैं। राकेश का कहना है अमरदीप मोटरसाइकिल पर बैठकर उसे न्यू ईएसआई हॉस्पिटल लेकर गया। उसने दोस्त की न्यू एलआईसी कराने के लिए कल के लिए टाल दिया। जब वह वहां से वापस अपने घर को आने लगा तो अमरदीप ने उसकी गाड़ी की चाबी निकाली और उसके दोस्त ने मोबाइल छीना। आरोप है अमरदीप के दोस्त ने कांच की बोतल उसके सिर पर मारी और अमरदीप ने चाकू गाल पर मारा और (शेष पृष्ठ सात पर)

मंदिर से चांदी का मुकुट चोरी

रामनगर(उद संवाददाता)। कोतवाली से महज कुछ दूरी पर स्थित नागा बाबा मंदिर में स्थित भगवान बलराम का चांदी का मुकुट अज्ञात चोरों ने चोरी कर लिया।

जिसके बाद मंदिर में हड़कंप मच गया। घटना की जानकारी पुलिस को मिलने के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचते हुए जांच शुरू कर दी है। चोरों द्वारा मुकुट चोरी की घटना से पुलिस के सुरक्षा दावों की भी पूरी तरह पोल खुल गई है। मंदिर के महंत रामेश्वर गिरी महाराज ने बताया कि मंदिर परिसर में एक ही स्थान पर भगवान जगन्नाथ, माता सुभद्रा एवं भगवान बलराम का (शेष पृष्ठ सात पर)

आत्महत्याएं रोकने के लिए साईकिल यात्रा पर निकले संजय

किच्छा(उद संवाददाता)। लॉकडाउन के दौरान फास्ट फूड के कारोबार में हुए घाटे के बाद दो बार आत्महत्या का प्रयास कर चुके संजय विश्वास आज देश के युवाओं को

आत्महत्या करने से रोकने के लिए जागरुकता करते नजर आ रहे है। नगर के हल्द्वानी मार्ग पहुॅचने समाज सेवी राकेश गुप्ता, राजेन्द्र ठाकुर सहित स्थानीय लोगों ने उनका फूलमालाओ से लादकर स्वागत किया। साथ ही आर्थिक सहयोग भी किया। इस दौरान संजय ने बताया कि वह लगभग 3 सालो में करीब 27 हजार किलोमीटर की यात्रा तय कर चुके है। जिसमे वह देश के करीब 26 राज्यों की यात्रा साईकिल से पूरी कर चुके है। इस दौरान विश्वास ने बताया कि वह उत्तर प्रदेश के अमेंठी में उनके द्वारा फास्ट फूड का कारोबार किया हुआ था। मूल रुप से कलकत्ता निवासी विश्वास का करोबार देश भर में लगे लॉकडाउन के चलते पूरी तरह से ठप्प हो गया जिसके बाद वह कर्ज में डूब गया। जिसके चलते वह निरन्तर डिप्रेशन का शिकार रहने लगा विश्वास के अनुसार डिप्रेशन के चलते उसके द्वारा दो बार आत्महत्या का प्रयास किया गया, परन्तु असफल रहा। जिसके बाद बहनोई के सुझाव पर विश्वास द्वारा साईकिल चलाने का संकल्प लिया गया तथा युवाओं को आत्म हत्या से बचाने के लिए अभियान शुरु करते हुए बाग्ला देश के तीस जिलो में भ्रमण किया गया।

सोनू सूद भी कर चुके हैं सम्मानित

किच्छा।संजय विश्वास के अनुसार युवाओं को प्रेरित करने के लिए आरम्भ की गयी यात्रा से प्रभावित होकर सोनू सूद ने भी संजय विश्वास का हौसला अफजाई की। उन्होंने बताया कि उनके द्वारा महाराष्ट्र की यात्रा के दौरान उनका सोनू सूद से मिला हुआ था। इसके अलावा बाग्लादेश के तीस जिलों की यात्रा के उपरान्त पुन: अपने आवास पहुॅचने पर साईकिलिस्ट फ्रांस जोक ने भी उनसे भेट करते हुए विश्वास का हौसला बढ़ाया।

नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन

किच्छा(उद संवाददाता)। निदेशक होम्योपैथी डॉक्टर जे०एल०फिरमाल के निर्देशानुसार व जिला होम्योपैथिक चिकित्साधिकारी डाक्टर महेश चंद्र जोशी के आदेशानुसार आंगनवाड़ी केंद्र चुटकी देवरिया में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। उक्त जानकारी देते हुए किच्छा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के होम्योपैथी विभाग की चिकित्सक सिमरनजीत कौर ने बताया कि देवरिया चुटकी स्थित आगंनबाडी

केन्द्र पर आयोजित निशुल्क चिकित्सा शिविर में कुल 184 लाभार्थियों जिनमें आंगनबाड़ी शिशुओं, गर्भवती महिलाओं व अन्य का स्वास्थ्य परीक्षण कर नि:शुल्क दवा वितरण की गई।इस अवसर पर शिविर में पहुंचे क्षेत्र के लोगों को डेंगू , चिकुनगुनिया,अन्य संक्रामक व वर्षा ऋतु में होने वाले रोगों के विषय एवं बचाब के तरीके की जानकारी प्रदान की गई। इस मौके पर रा०हो०चिकित्सालय किच्छा की प्रभारी डॉ० सिमरन जीत कौर के अलावा केन्द्र की सहाकियों ने अपना योगदान दिया।

संदिग्ध परिस्थितियों में महिला समेत दो लोग लापता

काशीपुर(उद संवाददाता)। कोतवाली थाना क्षेत्र के अलग-अलग स्थानों से एक महिला समेत दो लोग बेहद संदिग्ध परिस्थितियों में लापता बताए जा रहे हैं। पुलिस ने तहरीर के आधार पर दोनों ही मामलों में गुमशुदगी दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू कर दी।

पहली घटना के बारे में पता चला है कि ग्राम पोस्ट/कुंडेश्वरी निवासी 34 वर्षीय मोहन सिंह उर्फ बब्बी बीते 30 जून को लगभग 1:00 बच्चों से यह कहकर घर से निकला कि वह ससुराल मुरादाबाद जा रहा है लेकिन इसके बाद उसका कहीं कोई पता नहीं चला। परिजनों ने जब ससुराल में पता किया तो वहां भी उसकी कोई खैर खबर नहीं मिली। इसी तरह गुमशुदगी के एक अन्य मामले में मोहल्ला ओझान निवासी 40 वर्षीय सीमा यादव पत्नी सतीश यादव गत एक जुलाई को परिजनों को बगैर बताए घर से कहीं चली गई जिसका अब तक कोई पता नहीं चल सका है। पुलिस ने दोनों ही मामलों में तहरीर के आधार पर गुमशुदगी दर्ज कर गायब लोगों का पता लगाना शुरू कर दिया।

व्यापारियों की बैठक में समस्याओं पर चर्चा

बागेश्वर (उद संवाददाता)। नगर व्यापार संघ की विभिन्न समस्याओं को लेकर मासिक बैठक आयोजित हुई। नगर अध्यक्ष कवि जोशी की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में व्यापारियों की समस्याओं और उनके समाधान करने को लेकर चर्चा की गई।वही व्यापारियों की समस्याओं की पालिका द्वारा सुध नही लेने पर व्यापारियों ने नाराजगी जताई।बैठक में यूजर चार्ज के नाम पर नगर पालिका द्वारा व्यापारियों का उत्पीड़न किए जाने और शुल्क जमा न करने पर चालान के नाम से धमकाए जाने, नगर पालिका द्वारा सफाई व्यवस्था व नगर में व्यापारियों के लिए शौचालय की कोई भी उचित व्यवस्था अभी तक नहीं किए जाने पर नाराजगी जताई, बैठक में पालिका द्वारा व्यापारियों के हितों में अन्तिम निर्णय नही लिए जाने पर उच्च न्यायालय में जनहित

याचिका दाखिल करने, सभी बाहरी व्यापारियों को नगर में बैठने फेरी लगाने पर रोक के बाद भी किसी व्यापारी द्वारा ऐसे फेरी वालों को संरक्षण देने सहयोग करने पर व्यापार संघ से निष्कासित करने, नगर में मजदूर,राजमिस्त्री,पेंटर की मजदूरी मूल्य निर्धारित करने,साथ ही व्यापार संघ की सदस्यता लेना अनिवार्य होगा, बैठक में सर्वसम्मति से नए व्यापारियों की सदस्यता शुरु करने, सभी स्वर्णकार बन्धुओ से किसी भी नाबालिक से जेवर गिरवी ना लेने के लिये कहा गया है ताकि व्यापारियो की छवि खराब ना हो।पुलिस प्रशासन द्वारा बाहरी लोगों का सही रूप से सत्यापन नही करने पर लिखित शिकायत सीएम पोर्टल में की जायेगी। महिलाओं के कपड़ो की सिलाई की नाप के लिये महिला कर्मचारियो को रखना अनिवार्य किया गया। व्यापारी राजेन्द्र लाल साह को व्यापार संघ द्वारा आर्थिक सहायता के रूप में सहयोग राशि देने पर सहमति बनी।इस दौरान बैठक में महिला उपाध्यक्ष इंदु चौधरी, नवीन लाल साह, पूर्व व्यापार मंडल अध्यक्ष हरीश सोनी, अनिल कार्की,सह सचिव राहुल साह,मो.हसीब,महिपाल भरड़ा,पुष्कर सिंह,अनुज मराठा,अनिल कुमार किशन राम आदि मौजूद थे।

मीना शर्मा ने सबा अंजुम को किया सम्मानित

रूद्रपुर(उद संवाददाता)। रेशम कॉलोनी खेड़ा निवासी अकील अहमद की पुत्री सबा अंजुम को कबड्डी अनुशासन में प्रवेश के लिए राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र धर्मशाला हिमाचल प्रदेश में होने वाले 3 वर्षीय प्रशिक्षण शिविर के लिए चुना गया है। उनकी इस उपलब्धि पर क्षेत्र में खुशी का माहौल है। उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष सबा अंजुम ने झारखंड में राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन किया था और उनके प्रदर्शन को देखते हुए उन्हें नेशनल खिलाड़ी के रूप में उभारने का फैसला लिया गया और अब हिमाचल प्रदेश के

धर्मशाला में स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के द्वारा 3 वर्षीय प्रशिक्षण शिविर के माध्यम से उन्हें कबड्डी में पारंगत किया जाएगा। इधर उनकी उपलब्धि का यह समाचार सुनकर उत्तराखंड प्रदेश महिला कांग्रेस कमेटी की वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्रीमती मीना शर्मा और कांग्रेस के अन्य नेता गण उनके आवास पर रेशम कॉलोनी पहुंचे ,जहां उन्होंने सबा अंजुम को फूल मालाएं पहनाई और उनके सुखद और उज्जवल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर श्रीमती शर्मा ने विश्वास व्यक्त किया कि सबा अंजुम अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन करते हुए क्षेत्र ही नहीं बल्कि सम्पूर्ण उत्तराखंड का नाम रोशन करेंगी। इस अवसर पर अन्य प्रमुख लोगों में कांग्रेस नेता अनिल शर्मा, पूर्व पार्षद उमर अली सलमानी, निगम पार्षद अशफाक अहमद, इरफान खान, अकील अहमद, दिलशाद अहमद, महबूब अली, मुमताज सहित बड़ी संख्या में अन्य लोग उपस्थित थे।

आर्टिका चालक के खिलाफ एक्सीडेंट का मुकदमा दर्ज

काशीपुर(उद संवाददाता)। एक्सीडेंट के एक मामले में पुलिस ने कोर्ट के निर्देश पर अज्ञात वाहन चालक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज करते हुए मामले की जांच शुरू की है। घटना के बारे में न्यायालय में प्रार्थना पत्र देकर कुमाऊं कॉलोनी कचनाल गाजी निवासी शीला देवी पत्नी हरकिशन ने बताया कि बीते 1 मई को जब उसके पति रामनगर रोड स्थित बनवारी पेपर मिल के पास से होकर गुजर रहे थी इसी दौरान आर्टिका कार संख्या यूपी 14एफसी/5940 के चालक नाम पता अज्ञात में तेजी व लापरवाही उसके पति को टक्कर मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। इस दौरान जब मौके पर भीड़ जमा होना शुरू हुई तो आरोपी कार चालक वहां से फरार हो गया। पुलिस ने कोर्ट के निर्देश पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी।

लोगों को दी जीएसटी के सम्बंध में जानकारी

अल्मोड़ा(उद संवाददाता)। ओहो रेडियो उत्तराखण्ड द्वारा जीएसटी बिल लाओ इनाम पाओ योजना के तहत उत्तराखंड सरकार के साथ मुहिम चलाई जा रही है जिसमे उत्तराखंड के अलग अलग जिलों में जाकर लोगों को जीएसटी तथा ये किस प्रकार देश की अर्थव्यवस्था में योगदान देती है, की जानकारी दी जा रही है। साथ ही जो व्यापारी या उपभोक्ता बिल बेस पर खरीददारी कर रहे हैं तथा ईमानदारी से टैक्स अदा कर रहे हैं उन लोगो को सर्टिफिकेट और गिफ्ट्स दिए जा रहे तथा उन लोगो को

सम्मानित किया जा रहा है। इसी कड़ी में कार्यक्रम सर्किट हाउस अल्मोड़ा में आयोजित हुआ। जहां लोगों सम्मानित किया गया और लोगो को जीएसटी संबंधी जानकारी दी गई। इस दौरान कार्यक्रम में उपस्थित जिलाधिकारी विनीत तोमर ने सभी टैक्स पेयर्स को बधाई देते हुए कहा कि सभी लोगों को ईमानदारी से टैक्स अदा करना चाहिए। जिसे देश के विकास में अहम योगदान हो सके। उन्होंने कहा कि सभी लोग टैक्स अदा करें, जिससे देश की आर्थिकी और अधिक सुदृढ़ बन सके। कार्यक्रम में आरजे काव्य फाउंडर, टैक्स ऑफिसर, नितिन कुमार सहित अन्य उपस्थित रहे।

गुरु का महत्व

हिंदी कैलेंडर के आषाढ़ (जुलाई-अगस्त) माह की पूर्णिमा को 'गुरु पूर्णिमा' के पर्व के रूप में मनाया जाता है। इस दिन हम अपने शैक्षिक व आध्यात्मिक गुरुओं का सम्मान करते हैं, उनके प्रति अपनी श्रद्धा व आभार प्रकट करते हैं। इस संसार में जब भी हम कोई विषय सीखना चाहते हैं, तो हम ऐसे इंसान के पास जाते हैं जो उसमें निपुण हो और हमें भी वो विषय पढ़ा सकता हो। इसी प्रकार एक पूर्ण सत्गुरु अध्यात्म के विषय में निपुण होता है, और यदि हम अपना आध्यात्मिक विकास करना चाहते हैं, तो हमें सत्गुरु के पास जाना होता है। इस धरती पर हर समय कोई न कोई पूर्ण सत्गुरु अवश्य मौजूद होते हैं, जो हमें अपने अंतर में मौजूद प्रभु-सत्ता के साथ जुड़ने में मदद करते हैं। प्रत्येक युग में ऐसे संत-महापुरुष आते हैं जो हमारी आत्मा को आंतरिक यात्रा पर ले जाने में समर्थ होते हैं। संत मत के महापुरुषों ने हमें यही बताया है कि प्रभु की सत्ता किसी न किसी मानव शरीर के माध्यम से कार्य करती है। मनुष्य दूसरे मनुष्य से ही सीखता है। संत-महापुरुष इस दुनिया में इसलिए आते हैं ताकि हमारे स्तर पर आकर हमसे बातचीत कर सकें, आंतरिक अनुभव पाने की विधि के बारे में हमारी भाषा में हमें समझाएँ, तथा व्यक्तिगत स्तर पर हमें उसका अनुभव भी दे सकें। केवल बातें करने से या पढ़ने से हम अध्यात्म नहीं सीख सकते। यह केवल व्यक्तिगत अनुभव से ही सीखा जा सकता है, और वो अनुभव हमें केवल एक पूर्ण सत्गुरु ही प्रदान कर सकता है। नामदान के बाद सत्गुरु हर क्षण शिष्य के साथ रहते हैं और उसे हर प्रकार से सुरक्षित रखते हैं। सत्गुरु का संरक्षण शिष्य के साथ न केवल इस दुनिया में रहता है, बल्कि इससे आगे भी बना रहता है। सत्गुरु शिष्य के कर्मों के भार को अपने ऊपर ले लेते हैं, और हमेशा उसके अंग-संग बने रहते हैं। जब शिष्य के जीवन का अंत होता है, तब भी वे उसके साथ होते हैं और आगे

के मंडलों में भी उसके मार्गदर्शक बनते हैं। इस वक्त्त सत्गुरु हमारे अंतर में प्रकट होते हैं और हमें प्रेम से गले लगा कर रोशनी के मध्य में ले जाते हैं। सत्गुरु दया से भरपूर होते हैं, वे हमें तकलीफ में नहीं देख सकते। सत्गुरु हमें कर्मों के कीचड़ से दूर रहने की शिक्षा देने के लिए इस संसार में आते हैं। वे चाहते हैं कि हम कर्मों के चक्र से बाहर निकलें, जिसमें उलझ कर हम बार-बार इस संसार में आते हैं। वे चाहते हैं कि हम अपने सच्चे पिता के घर वापस लौटें, जहाँ किसी प्रकार की तकलीफ या मृत्यु नहीं है। हमारे जीवनकाल के दौरान भी सत्गुरु हमें कई प्रकार के खतरों से बचाते हैं। हम उनके द्वारा दी गई हर मदद से अवगत भी नहीं होते। हमारी हर तरह से मदद करने के लिए सत्गुरु सदा हमारे अंग-संग रहते हैं, जब तक कि हम परमात्मा में जाकर लीन नहीं हो जाते। एक बार जब हमें पूर्ण सत्गुरु के द्वारा नामदान मिल जाता है, तो वे हमारे दिव्य चक्षु या तीसरे नेत्र पर विराजमान हो जाते हैं और फिर जीवन के प्रत्येक पहलू में हमें सहायता प्रदान करते हैं। सत्गुरु हमारे सच्चे नि:स्वार्थ सहाई होते हैं, और हमारी मदद करने के बदले में अपने लिए कोई भी ईनाम, या किसी भी प्रकार का नाम या यश नहीं चाहते। वे हमारी मदद करते हैं क्योंकि वे हमसे प्रेम करते हैं और उनका अपना हृदय प्रभु-प्रेम से भरपूर होता है। यदि हम इस मानव चोले के उद्देश्य को पूरा करना चाहते हैं और अपनी आत्मा का मिलाप परमात्मा में करवाना चाहते हैं, तो हमें एक पूर्ण सत्गुरु के चरणकमलों में आना ही होगा। हमें प्रभु से यही प्रार्थना करनी चाहिए कि वे हमें शीघ्रतिशीघ्र वक्त के पूर्ण सत्गुरु की शरण में पहुँचा दें, ताकि उनके समर्थ मार्गदर्शन में हम जल्द से जल्द अपनी रूहानी यात्रा पूरी कर लें और अपने निजधाम वापस पहुँचकर सदा-सदा के लिए प्रभु में लीन हो जाएँ।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

वाटर प्रूफिंग
हमारे यहां मकान की वाटर प्रूफिंग जैसे- छत का टपकना, सिलन आना, लिकीज होना, बेसमेन्ट, शौचालय, बाथरूम, किचन में सिलन आना व पानी टपकना एवं टिन शैड का कार्य सन्तोषजनक किया जाता है।
प्रो. शादाब खान
9012051994, 6399038125
आर्क होटल के पीछे, बत्रा कालोनी, बिलासपुर रोड, रुद्रपुर

Shri Shyam Properties
Deals In: Sale, Purchase And Rent Of Any Type Of Property
CONTACT NO.: 7830482222, 7500049657

जगदीश
कलर लैब
टंडन फोटो स्टूडियो
पासपोर्ट फोटो तुरन्त प्राप्त करें
जनरेटर सुविधा भी उपलब्ध है।
मोबाइल, चिप, डिजिटल कैमरा, पेन ड्राइव, सीडी आदि डिजिटल कार्य तुरन्त बनवायें।
काशीपुर बाईपास रोड,
गुरुनानक कन्या इण्टर कालेज के सामने गली में, रुद्रपुर
E-mail: jagdishcolourlab@gmail.com
Web: jagdishcolourlab.com
05944-246817

बहुउद्देशीय शिविर में कई समस्याओं का समाधान

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। नगर वासियों के स्वास्थ्य परीक्षण और समाज कल्याण की योजनाओं से लाभान्वित करने के उद्देश्य से विधायक सुमित हृदयेश के आग्रह पर जिलाधिकारी के निर्देश पर दमुवादूँगा जमरानी रोड स्थित एक बैंकट हॉल में समाज कल्याण विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा बहुउद्देश्यीय शिविर का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ विधायक सुमित हृदयेश अपने संबोधन के साथ किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के शिविरों के आयोजन से आम जनमानस को बहुत लाभ होता है तथा भविष्य में भी वे इस प्रकार के शिविर के आयोजन अलग अलग क्षेत्रो में करवाते रहेंगे।बहुद्देश्यीय शिविर की शुरुआत में सहायक समाज कल्याण अधिकारी राहुल चंद्र आर्या द्वारा समाज कल्याण

विभाग द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं, वृद्धावस्था पेंशन, विधवा पेंशन, दिव्यांग पेंशन, विधवा महिलाओं की पुत्रियों हेतु शादी अनुदान, अंतर्जातीय विवाह, अटल आवास, छात्रवृत्ति आदि योजनाओं की जानकारी दी गयी तथा पेंशन संबंधी कई शिकायतों का मौके पर निराकरण किया गया। स्वास्थ्य विभाग से नेत्र, ईएनटी, अस्थि रोग विशेषज्ञ द्वारा मौके पर कई लोगों की जांच की गई एवं निशुल्क दवा वितरण की गई। जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद डीडीआरसी द्वारा मौके पर कई दिव्यांगों के यूडीआईडी कार्ड बनाये गये। सौ से ज्यादा लोगो ने शिविर का लाभ लिया।शिविर में अपर चिकित्सा अधिकारी डॉ. रश्मि पंत, सहायक समाज कल्याण अधिकारी राहुल चंद्र आर्या, सहायक अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी संजय बिष्ट, डॉ. अनुष्का सांवत, डॉ. एचएस ऐरी, डॉ. कल्पना पांडे, कविता भट्ट, अनिल धानक ने सहयोग किया। इस मौके पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष राहुल छिमवाल, महानगर कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद बिष्ट, पार्षद चंपा देवी, पार्षद नीमा भट्ट, खीमा नंद पांडे, महेशानंद, हेमन्त बगडवाल, एनबी गुणवंत, गिरीश पांडे, संजय आर्या, लक्ष्मीकांत, हरीश लाल वैध, जगदीश वाणी, शंकर लाल कमांडो, बहादुर बिष्ट, लाल सिंह पवार, हेम पांडे, मलय बिष्ट, मयंक भट्ट, कौशलेंद्र भट्ट, राजू बिष्ट, सीमा भटनागर, हेमा देवी, मीनाक्षी नयाल, गोविंदी लोबियाल, सीमा लोहानी, मीना पवार, कानू बिष्ट आदि मौजूद थे।

भाजपाइयों ने सेवानिवृत्त शिक्षकों को बताई सरकार की उपलब्धियां

गदरपुर। महाजन संपर्क अभियान के तहत भाजपा कार्यकर्ताओं ने कई परिवारों से संपर्क किया। भाजपा जिलाध्यक्ष गुंजन सुखीजा, किसान मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष नरेश हुड़िया की टीम ने सेवानिवृत्त शिक्षक परिवारों से संपर्क किया। विधानसभा

क्षेत्र गदरपुर मैं सेवानिवृत्त अध्यापक एवं वरिष्ठ समाजसेवी लोगों में सेवानिवृत्त शिक्षक रमेश चंद्र मौर्य,जीवन आर्य,सुबोध कुमार शर्मा,विजय सुखीजा,सुनीता बजाज एवं पंडित विजय शर्मा आदि के परिवारों से शिष्टाचार भेंट की । टीम ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी , केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट के अलावा महेंद्र भट्ट,सुरेश भट्ट,गणेश जोशी का भी आभार जताते हुए उनके द्वारा जनहित के कार्यों का प्रचार किया ।

लापता श्रमिक का शव नाले से किया बरामद

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। दो दिन पूर्व घर से साईकिल पर सवार होकर घास लेने के लिए निकले लापता सिडकुल श्रमिक का शव पुलिस ने ड्रोन की मदद से आज पंतनगर क्षेत्र में चौधरी फार्म के पास एक नाले से बरामद कर लिया है। मामले की जानकारी मिलने पर पुलिस के कई अधिकारी भी मौके पर आ पहुंचे। जानकारी

के अनुसार ग्राम गंगापुर निवासी 38 वर्षीय मुन्ना चौधरी पुत्र भंगन चौधरी सिडकुल स्थित एक फैक्ट्री में काम करता था तथा प्रतिदिन प्रत: घास लेने लिए जाता था। बताया जाता है कि रोजाना की तरह गत एक जुलाई को वह साईकिल पर सवार होकर घर से घास लेने रवाना हुआ था। लेकिन तब से वह घर वापस नहीं लौटा। काफी खोजबीन के बाद भी उसका कोई पता नहीं चला तो परिजनों ने उसकी गुमशुदगी की सूचना पुलिस को दे दी थी। जिसके पश्चात से पुलिस व परिजन निरंतर उसकी खोजबीन में जुटे हुए थे। पुलिस द्वारा ड्रोन की भी मदद ली गई। आज पुलिस ने लापता मुन्ना चौधरी का शव पंतनगर के समीप चौधरी फार्म में एक नाले में से बरामद कर लिया। उसकी साईकिल भी पास में ही पड़ी हुई थी। मामले की जानकारी मिलते ही सीओ अनुषा बड़ोला के साथ ही थानाध्यक्ष पंतनगर व थानाध्यक्ष ट्रांजिट कैम्प इंस्पेक्टर सुदर्शन शर्मा पुलिस कर्मियों के साथ मौके पर पहुंच गये। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है।

विशेष परिस्थितियों में सबको हो एक से अधिक पत्नियां रखने की अनुमति

विधि को प्रेषित सुझावों में एडवोकेट नदीम का सुझाव

काशीपुर(उद संवाददाता)। समान नागरिक संहिता के अन्तर्गत मौजूदा विशेष परिस्थितियों में सबको एक से अधिक पत्नियां रखने की अनुमति होनी चाहिये। इस सुझाव सहित भारत के विधि आयोग को राष्ट्रीय स्तरीय सूचना अधिकार कार्यकर्ता, 44 कानूनी पुस्तकों के लेखक, पूर्व लॉ लैक्चर नदीम उद्दीन (एडवोकेट) ने विस्तृत सुझाव प्रेषित किये है। भारत के विधि आयोग के सार्वजनिक आमंत्रण पर काशीपुर निवासी नदीम उद्दीन एडवोकेट ने विस्तृत सुझाव प्रेषित किये है। समान नागरिक संहिता लागू करने की कानूनी बाध्यताओं, विवाह, तलाक, उत्तराधिकार तथा दत्तक ग्रहण (गोद लेने) सम्बन्धी कानूनों से सम्बन्धित सुझाव शामिल है।श्री नदीम के सुझावों के अनुसार समान नगारिक संहिता लागू होने में भारत के विधि आयोग की 31 अगस्त 2018 की रिपोर्ट में उल्लेखित संवैधानिक बाधायें वर्तमान में भी विद्यमान है। यद्यपि डॉ0 भीमराव अम्बेडकर के संविधान सभा में सुझाव के अनुसार इसे ऐच्छिक रूप से लागू करके इसको लागू करने का प्रयास किया जा सकता है। श्री नदीम के विवाह सम्बन्धी कानूनों सम्बन्धी संशोधन के सुझावों में जन्म मृत्यु के समान सभी विवाहों का अनिवार्य रजिस्ट्रेशन, विशेष परिस्थिति में एक से अधिक पत्नियां रखने की अनुमति, दहेज पर पूर्ण प्रतिबंध के लिये दहेज वाले विवाह को अवैध माना जाना, लिव इन रिलेशन का रजिस्ट्रेशन व विवाह के समान दायित्व मानने वाले सुप्रीम कोर्ट के निर्णयों के परिप्रेक्ष्य में कानूनी प्रावधान शामिल है। श्री नदीम के तलाक सम्बन्धी कानूनों के सुझावों में सभी तलाकों का अनिवार्य रजिस्ट्रेशन, आपसी सहमति व पुरूषों द्वारा विशेष परिस्थितियों में न्यायालय के बाहर तलाक, तलाक चुनौती व तलाक के मामलों का निस्तारण अधिकतम तीन माह में करने के प्रावधान शामिल है।श्री नदीम के उत्तराधिकार सम्बन्धी कानूनों के सुझावों में मनमानी वसीयत व जैविक उत्तराधिकारियों को बेदखल करने पर प्रतिबंध, एच.यू.एफ. की भेदभाव पूर्ण व्यवस्था की समाप्ति, महिलाओं को पुरूषों के वास्तविक समान सम्पत्ति अधिकार सुनिश्चित कराने के प्रावधान शामिल है। श्री नदीम के दत्तक ग्रहण (गोद लेने) सम्बन्धी कानूनों के सुझावों में न्यायहित, धोखाधड़ी से अपराधों से बचाव तथा जैविक संतानों के अधिकारों के संरक्षण हेतु मनमाने दत्तक ग्रहण (गोद लेने) पर प्रतिबंध व अनिवार्य रजिस्ट्रेशन शामिल है। राजभाषा हिन्दी में ही प्रस्तुत करने का भी सुझाव दिया है।श्री नदीम ने इन विस्तृत सुझावों में इन सुझावों वाले प्रावधानों की उपयोगिता का भी उल्लेख किया है। इसके अनुसार विशेष परिस्थितियों में एक से अधिक अधिकतम 4 तक पत्नियों की अनुमति मौजूदा पत्नि/पत्नियों की लिखित अनुमति से ही छूट दी जा सकती है। मौजूदा पत्नि/पत्नियों से विवाद, मानसिक स्थिति बीमारी के चलते पति को पुन: विवाह की अनुमति न देने पर सक्षम न्यायालय द्वारा छूट दी जा सकती है। इसके अतिरिक्त एक से अधिक पत्नियां रखने वाले पति द्वारा सभी पत्नियों के साथ समान व्यवहार न करने पर 'क्रूरता' मानते हुये पीड़ित पत्नि को घरेलू हिंसा अधिनियम के अन्तर्गत उपचार पत्नि का अधिकार होना चाहिये। इसकी उपयोगिता को उल्लेख करते हुये श्री नदीम के पति की अधिक शारीरिक जरूरतें, पत्नि की लगातार बीमारी आदि, पत्नि के संतान उत्पत्ति को सक्षम न होना, पत्नि की संतान उत्पत्ति के लालन पालन की इच्छा न होना, सभी विवाह की इच्छा रखने वाली महिलाओं को विवाह का सुख देने के लिये तथा व्यभिचार तथा वैश्यावृत्ति नियंत्रण हेतु बताया है। इन सुझावों में भी स्पष्ट किया है कि बहुपत्नि विवाह का जनसंख्या वृद्धि से कोई सम्बन्धी नहीं है।

किच्छा की हर गली तक किया जाएगा विकास: बेहड़

विधायक बेहड़ ने किये 41 लाख रूपये के कार्यो के लोकार्पण

किच्छा विधायक तिलक राज बेहड़ ने सर्वप्रथम गिद्पुरी पहुंचें जहाँ उन्होंहे जिला योजना से निर्मित करायी गयी सड़क (गिदपुरी में दरऊ रोड से भमसेन तक मार्ग का डामरीकरण का कार्य) जिसकी लम्बाई 1.25 किलोमीटर तथा लागत 33.29लाख है का लोकार्पण किया ।इससे पूर्व ग्रामीणों ने फूल मालाओं से उनका स्वागत किया तथा बेहड़ ने नारियल फोड़कर गिद्पुरी सड़क का लोकर्पण किया तथा क्षेत्रवासियों को सड़क समर्पित करते हुए कहा की उनकी विधानसभा किच्छा में हर तरफ विकास कराया जा रहा है तथा विकास हर गाँव गाँव तथा शहर कि हर गली तक होता हुआ नजर आयेगा । इसके पश्चात विधायक बेहड़ आजादनगर स्थित फिनेक्श स्कूल पहुंचे जहा उन्होंहे विधायक निधि से निर्मित ,8 लाख रूपये कार्यो का लोकार्पण किया जिसके तहत सड़क तथा पुलिया का निर्माण कार्य कराया गया है, बेहड़ ने कहा की किच्छा में मेरे कार्यकाल द्वारा स्वीक्रत कराये गए तथा विधायक निधि से बनाये जा रहे

अधिकाँश विकास कार्य या तो पूर्ण हो गए है या होने के कगार पर है तथा एक माह के अन्दर इन सभी कार्यो का लोकार्पण कर जनता को समर्पित कर दिया जायेगा तथा किच्छा को विकसित करने के साथ साथ सुंदर बनाना भी उनकी प्राथमिकता है वे इस पर भी कार्यरत है तथा जल्द ही किच्छा वासियों को किच्छा मैं बदलाव देखने को मिलेंगे। इस दौरान मौके पर नगर पालिका अध्यक्ष दर्शन कोली,गोपाल भट्ट अवर अभियंता ग्रामीण निर्माण विभाग,सचिन कुमार अवर अभियंता लोक निर्माण विभाग , ब्लाक कांग्रेस कमेंटी अध्यक्ष गुड्डू तिवारी ,हाजी सरवर यार खा , मेजर सिंह, किंन्नू शुक्ला, राजेश प्रताप सिंह ,सुनील ठाकुर, गौरव बेहड़ गुलशन सिन्धी,विजय यादव, किशन लाल अग्लानी ,चिमललाल , धर्मेन्द्र वासवानी,नरेब्द्र बागवानी ,किशन बजाज ,सोनी सिन्धी ,शेलेन्द्र गोद्लानी ,धर्मेन्द्र सिन्धी,संजय जिंदल, ओम प्रकाश गंगवार, ताहिर मलिक, दुर्गेश गुप्ता, जगरूप सिंह गोल्डी, छोटू कोली, , तारा चंद सिंधी, नजाकत खान, ओम प्रकाश गंगवार, लताशा ,राधा देवी,पद्मा देवी ,सुन्दरी देवी आदि रहे।

लोक संगीत ने झंकृत किए मन के तार

अल्मोड़ा(उद संवाददाता)। अल्मोड़ा। लिट् फेस्ट के समापन सत्र में शास्त्रीय संगीत एवं पारम्परिक कुमाऊँनी लोक गायन शैली के मर्मज्ञ हिमांशु जोशी ने अपनी सुघड़ उपस्थित का ऐहसास लोक कला केंद्र की झोड़ा चांचरी,छपेली की प्रस्तुति के साथ शुरू हुआ प्रसिद्ध शास्त्री गायक रवि जोशी व साथी कलाकारों के द्वारा शास्त्री संगीत का संगीत मय कार्यक्रम प्रस्तुत

कराया। इसके अलावा इस परिचर्चा सत्र मे पद्मश्री बसंती बिष्ट के मध्य चर्चा का पत्रकार नवीन बिष्ट संयोजन किया। एक ओर जहाँ अपने रियाजी कण्ठ का मोहक प्रदर्शन हिमांशु जोशी ने किया वहीँ जागर गायन शैली को बसंती बिष्ट बखूबी निभाया। कार्यक्रम जय नंदा किया। भारतीय कविता एवम अंग्रेजी साहित्य व उर्दू नज्म पर प्रोफेसर श्रवंन शर्मा डा. रेनु उनियाल परि चर्चा की इनके साथ वार्तालाप प्रोफेसर सैयद अली हामिद ने किया। मेरा जीवन मेरा अनुभव पर लोक विज्ञानी चंद्र शेखर लोहूमी की कहानी का अनावरंन प्रोफेसर जे. सी भट्ट ने किया। पोयट्स् आन द फॉल टॉपिक पर प्रोफेसर सैयद अली हामिद, मधु राघवेंद्र और डा, सिधार्थ वारियर परि चर्चा की इनके साथ वार्तालाप सुघनदा दास ने की प्रादेशिक स्वर की मुख्य धारा (सिनेमा) पर मनमोहन चौधरी और दीपक रमोला ने परिचर्चा की। इनके साथ वार्तालाप सुदर्शन जुयाल ने कीअल्मोड़ा के लड़को तुमसे मौका ना छूटे पर नीलोतपल मृणाल ने परिचर्चा की। इनके साथ वार्तालाप शैलेश भारतवासी ने की।

डीएम ने आपदा संभावित क्षेत्रों का किया निरीक्षण

सितारगंज/खटीमा (उद संवाददाता)। नव नियुक्त जिलाधिकारी उदयराज सिंह ने जिले में आपदा संभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने अरविंद नगर, रूद्रपुर में बेगुल/सुखी नदी, उकरौली में कैलाश नदी, चीकाघाट पूल के पास कैलाश नदी व नानकसागर जलाशय का निरीक्षण करते हुए संबंधित अधिकारियो को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने सिंचाई विभाग के अधिकारियो को निर्देश दिए की नदी से जो सिल्ट निकाला गया है उसको नदी के किनारे से हटाने हेतु शीघ्र नीलामी की कार्यवाही करे ताकि बारिस के पानी से मालवा बह कर दुबारा नदी में न जाय। उन्होंने उप जिलाधिकारी को निर्देश दिए की सभी बाढ़ चौकियों में बचाव व राहत कार्य से संबंधित सभी व्यवस्थाएं दुरुस्थ रखे। उन्होंने कहा कि आपदा प्रभावित लोगो को ठहरने के लिए अभी से आश्रय स्थलों को चिन्हित कर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं दुरुस्त कर ले। निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी जय भारत सिंह, उप जिलाधिकारी रविन्द्र बिष्ट, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी उमाशंकर नेगी, अधिशासी अभियंता सिंचाई बीसी नैनवाल आदि उपस्थित थे।

खटीमा- नव नियुक्त जिलाधिकारी उदयराज सिंह ने आपदा संभावित क्षेत्र निरीक्षण कर जल भराव व बाढ़ से बचाव के लिए आवश्यक निर्देश संबंधित अधिकारियो को दिए। सर्वप्रथम तहसील सितारगंज क्षेत्रान्र्गत बैगुल और केलाश नदी से होने वोले जलभराव के दृष्टिगत संवेदनशील व अति संवेदनशील ग्रामों का भ्रमण किया। आम जनमानस से मानसून काल में होने वाली समस्याओं पर चर्चा की। जिलाधिकारी ने लोहियाहेड अस्थाई हैलीपेड के पास सारदा नहर से भूमि कटाव को रोकने के लिए किए जा रहे बाढ़ सुरक्षा कार्यों को देखा। उन्होंने संबंधित अधिकारियो को निर्देश दिए की कार्यों में तेजी लाते हुए शीघ्र पूर्ण करें। जिलाधिकारी नगला तराई होते हुए मेलाघाट पहुंचकर जगबूड़ा नदी का निरीक्षण किया। इस दौरान पूर्व जिला पंचायत सदस्य कन्हैया लाल, विनोद कुमार आदि ग्रामीणों ने नदी में जमा सिल्ट हटाने का अनुरोध किया जिसपर जिलाधिकारी ने बाढ़ से बचाव हेतु जो भी कार्य होगा किया जाएगा। इसके उपरांत जिलाधिकारी दाह ढकी पहुंचा देहवा नदी का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने सिंचाई विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए की बाढ़ से बचाव हेतु जो भी प्रपोजल बना रखा है उसे प्रस्तुत करे ताकि शीघ्र कार्यवाही किया जा सकें। उन्होंने कहा कि यूपी की सीमा से लगा हुआ गांव है बाढ़ से बचाव हेतु यूपी के संबंधित अधिकारीयों से बात करने की आवश्यकता होगी तो वार्ता कर शीघ्र निस्तारण किया जाएगा। उन्होंने उप जिलाधिकारी को निर्देश दिए की सभी बाढ़ चौकियों में बचाव व राहत कार्य से संबंधित सभी व्यवस्थाएं दुरुस्थ रखे। उन्होंने कहा कि आपदा प्रभावित लोगो को ठहरने के लिए अभी से आश्रय स्थलों को चिन्हित कर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं दुरुस्त कर ले। किसी भी आपदा की स्थति में जनपद के आपदा कंटोल रूम के नम्बर 05944-250250, 250719, 250500 तथा टोल फ्री नम्बर 1077 पर सूचना दर्ज कराये। निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी जय भारत सिंह, उप जिलाधिकारी रविन्द्र बिस्ट, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी उमाशंकर नेगी, अधिशासी अभियंता सिंचाई बीसी नैनवाल आदि उपस्थित थे।

शिविर में सैकड़ों लोगों का हुआ नि:शुल्क चेकअप

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। डाक्टर्स डे के उपलक्ष्य में गौतम अस्पताल की ओर से राजीव नगर आदर्श इंदिरा बंगाली कालोनी में आयोजित नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का शुभारम्भ बतौर मुख्य अतिथि महानगर कांग्रेस अध्यक्ष सीपी शर्मा ने किया। उन्होंने जरूरतमंदों के लिए आयोजित नि:शुल्क चिकित्सा शिविर के अस्पताल प्रबंधन की सराहना की। उन्होंने कहा कि समय समय पर ऐसे आयोजन होने से गरीब जरूरतमेंदों को इसका लाभ मिलता है।शिविर में मुख्य अतिथि ने भी अपना हेल्थ चेकअप कराया। इस दौरान सैकड़ों लोगों ने शिविर का लाभ उठाया। शिविर में विभिन्न तरह की नि:शुल्क जांचें की गयी। साथ ही मौके पर आयुष्मान कार्ड भी बनाये गये और नि:शुल्क दवाईयां भी वितरित की गयी। इस अवसर पर कांग्रेस नेत्री मीना शर्मा, डा. रविकिरन, आनंद कुमार गुप्ता, डा. साहिन सिददीकी, डा. प्रदीप कुमार तोमर, शुभम दास, विनोद कुमार, डा शैलेश कुमार आदि समेत तमाम लोग मौजूद थे।

डीजीपी ने महिला कांस्टेबल नूतन को किया सम्मानित

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। पुलिस महा निरीक्षक अशोक कुमार ने ड्यूटी के दौरान आम जनता से मधुर व्यवहार बनाए रख अपने दायित्वों का निर्वहन करने वाली यातायात पुलिस की महिला कांस्टेबल नूतन तिवारी के कार्यों की सराहना का उन्हें प्रशस्ति पत्र व शॉल देकर सम्मानित किया। हल्द्वानी आगमन पर डीजीपी अशोक कुमार ने नूतन को सम्मानित किया था। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि समय-समय पर सड़क हादसों में कई लोगों की जान बचा चुकी नूतन के व्यवहार की हर कोई पप्रसंशा करता है। नूतन कई वीआईपी ड्यूटी में यातायात की कमान भी संभाल चुकी है। उनके कार्य को देखते हुए विगत महीने एसएसपी पंकज भट्ट द्वारा भी उन्हें मैन ऑफ द मंथ का सम्मान दिया गया। अब डीजीपी अशोक कुमार ने नूतन तिवारी को सम्मानित कर उसका उत्साह बढ़ाया।

गुरू मां

GURU MAA ENTERPRISES

AC चाहिए ?

आधार लाये, उधार ले जायें...

0% BAJAJ FINSERV

UP TO 50% OFF

सबसे ज्यादा कैशबैक

0% ब्याज मुक्त फाइनेंस

खरीदारी के दिन डिलीवरी

Guru Maa Enterprises

हल्द्वानी: तिकोनिया मो- 9837077682; चर्च कम्पाउंड मो- 9690256666; पिली कोठी मो- 9997207007

रुद्रपुर: काशीपुर बाईपास रोड मो- 9927882338, 9568869000

काशीपुर: चीमा चौराहा मो-7455045084; रामनगर रोड मो-9917161111

गदरपुर: गुरूनानक इंटरप्राईजेज पंजाबी कालोनी गली मो-9927850999

टावर वाली कॉलोनी की सड़कों पर सैलाब

प्रीत विहार लिंक रोड से कटा संपर्क, आमजन की हो रही जमकर फजीहत जनजीवन अस्त व्यस्त, जल जमाव ने बढ़ाई संक्रामक बीमारियों की आशंका

■ अर्श

रूद्रपुर। शहर की सियासत में कभी एक दौर ऐसा भी था ,जब जनप्रतिनिधियों पर जन अपेक्षाओं का दबाव हुआ करता था और उन्हें इस बात की फिक्र रहा करती थी कि लोग क्या कहेंगे ? कदाचित यही कारण है की उस दौर के जनप्रतिनिधि जन अपेक्षाओं पर खरा उतरने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगा देते थे और दलीय प्रतिबद्धता आधारित भेदभाव एवं बदला आदि मनोविकारों से कोसों दूर रहते थे, परंतु आज की सियासत की चाल ,चरित्र एवं चेहरे को देखकर ऐसा लगता है, जैसे जनप्रतिनिधियों को जनअपेक्षाओं पर खरा उतरने की तनिक भी परवाह नहीं रही और ना ही उन पर जन अपेक्षाओं का कोई दबाव ही अब दिखाई देता है और तो और, आज के दौर में उन्हें लोक लाज तक का भी कोई भय नहीं रह गया है। आज के जनप्रतिनिधियों के कार्य करने की अपनी एक अलग ही शैली है। उनका अपना एक अलग ही एजेंडा है ,जिसमें मनमानी और भेदभाव कूट-कूट कर भरा हुआ है। जनप्रतिनिधियों की ऐसी ही विसंगति पूर्ण मानसिकता का दुष्परिणाम भोग रही है नगर निगम रूद्रपुर के वार्ड नंबर 25 के अंतर्गत आने वाली टावर वाली कॉलोनी। बताना होगा की निगम के पार्षद एवं मेयर द्वारा इस कॉलोनी की एक अरसे से निरंतर घोर उपेक्षा की जा रही है। जिसके चलते इस कॉलोनी के रहवासी सड़क और नाली जैसी बुनियादी सुविधाओं को तरस रहे हैं। कॉलोनी वासी पार्षद और मेयर को सैकड़ों बार अपना दुखड़ा सुना चुके हैं, लेकिन उनके कानों में आज तक जूं नहीं रेंगी। वार्ड पार्षद यह समझते हैं कि उन्हें उक्त कॉलोनी के लोगों ने वोट नहीं दिया इसलिए वे टावर वाली कॉलोनी की गरीब जनता से गिन गिन कर बदला ले रहे हैं ।कदाचित यही कारण है कि नगर निगम रुद्रपुर की तरफ से उक्त कॉलोनी आज तक एक ईंट भी नहीं रखी गई। बात मेयर की करें तो, उन्होंने ने उक्त कॉलोनी को तो अवैध ही घोषित कर रखा है। लिहाजा हालात यह है कि पानी की कोई वैकल्पिक निकासी ना होने के कारण सीवर लाइन का पानी एवं वर्षा जल कॉलोनी की सड़कों पर जमा है और स्थानीय रहवासियों की परेशानियां बढ़ाने के साथ ही अनेक संक्रामक बीमारियों को भी दावत दे रहा है ।कॉलोनी की सड़कें जलमग्न होने के कारण आमजन को आवागमन संबंधी दिक्कतें तो हो ही रही हैं ,साथ ही बच्चों का स्कूल जाना भी पूरी तरह बंद है ।कुल मिलाकर जनजीवन पूरी तरह है अस्त व्यस्त है और लोग अपने घरों में ही कैद रहने को मजबूर हैं । इतना ही नहीं कॉलोनी से प्रीत विहार मेन लिंक रोड को जोड़ने वाली एकमात्र सड़क पूरी तरह जलमग्न होने के कारण कॉलोनी का संपर्क भी शहर के बाकी हिस्सों से कट कर रह गया है । टावर वाली कॉलोनी मे ऐसे दुष्कर हालात बरसात के आरंभ में ही हैं। बरसात जब चरम पर पहुंचेगी तो उक्त कॉलोनी के रहवासियों को कैसी मुश्किलों से दो-चार होना पड़ेगा इसका अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है।

मेयर कब दिखाएंगे संवेदनशीलता?

रूद्रपुर। टावर वाली कॉलोनी के हालात दिनोंदिन बद से बदतर होते जा रहे हैं। निकासी ना होने के कारण पानी कॉलोनी की ही सड़कों पर एक अरसे से जमा है। जिसके कारण मिट्टी और नालियों का मलबा सड़ने लगा है तथा जमा पानी दुर्गंध छोड़ने लगा है। हालात अगर ऐसे ही रहे तो कभी भी कोई संक्रामक बीमारी प्रसार ले सकती है। ऐसे में कॉलोनी के भीतर जमा होने वाले पानी की निकासी का वैकल्पिक इंतजाम होना निहायत जरूरी है। बरसात का मौसम होने के कारण नाली और सड़क बनवाना फिलहाल अगर संभव न भी हो, तो भी फौरी राहत देने वाली कोई कार्य योजना तो अमल में लाई ही जा सकती है । इस प्रक्रम पर बड़ा सवाल यह है कि मेयर ऐसी संवेदनशीलता का परिचय कब देंगे ? हालांकि आज से तकरीबन डेढ़ माह पहले जब उत्तरांचल दर्पण ने शहर के मेयर का ध्यान टावर वाली कॉलोनी के जलभराव की समस्या की ओर आकृष्ट कराया था, तो उन्होंने मौके पर नगर निगम का इंजीनियर भेज कर सर्वे कराने और तत्पश्चात नाली व सड़क निर्माण कराने का आश्वासन दिया था, मगर आज तक मौके पर न तो नगर निगम का इंजीनियर ही पहुंचा और ना ही कोई सर्वे की कार्यवाही ही हुई। निर्माण की बात तो बहुत दूर है।

KOTIA ENTERPRISES
शुद्धता में सर्वोत्तम
100% Pure
शुद्ध तेल खाओ, जीवन लम्बा बनाओ !
वीर कच्ची घानी
होम डिलीवरी उपलब्ध
Ward No.16 Kichha Road, Bagwara Rudrapur (U.S.Nagar)
Veer Singh Virk
Managing Director
Mob.+919837146811,7500035083
Email:veersingh.bagwara@gmail.com
खल सरसों (लाही) गेहूं (कनक)/धान/मटर/सोयाबीन,उच्च मूल्य पर खरीदने बेचने के लिए संपर्क करें

पंजाबी जन कल्याण समिति के प्रदीप अध्यक्ष व मुकेश महामंत्री

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। पंजाबी जनकल्याण समिति की अगली दो वर्षों के लिए कार्यकारिणी गठित की गई जिसमे सर्व सम्मति सेद्य प्रदीप कक्कड़ अध्यक्ष व मुकेश ढींगरा की महामंत्री चुना गया।इसके अतिरिक्त संजीव आनंद वरिष्ठ उपाध्यक्ष, उमंग वासुदेवा संयुक्त संचिव तथा अवनीश राजपाल को कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी । पंजाबी जनकल्याण समिति की आम सभा का आयोजन किया गया। जिसका संचालन हरिमोहन अरोड़ा ने किया । जिसमें संस्था संरक्षक एवं वरिष्ठ जनों द्वारा सर्व सहमति से हल्द्वानी पंजाबी जन कल्याण समिति का नव गठन करते हुए अगले दो वर्षों के कार्यकाल के लिए प्रदीप कक्कड़ को अध्यक्ष पद की अहम जिम्मेदारी सौंपी है। संजीव आनंद को उपाध्यक्ष, मुकेश ढींगरा को महामंत्री, उमंग वासुदेवा को संयुक्त सचिव एवं अवनीश राजपाल को कोषाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी दी गई । अध्यक्ष प्रदीप कक्कड़ ने बताया की वह हल्द्वानी पंजाबी जन कल्याण समिति के हितों में अपनी सेवा का संघर्ष निष्ठावान रूप से करेंगे । संस्था उपाध्यक्ष संजीव आनंद व महामंत्री मुकेश ढींगरा ने जानकारी देते हुए बताया कि संस्था हर वर्ष की तरह लोहड़ी, वैशाखी एवं करवाचौथ जैसे त्योहारों को पंजाबी समाज के साथ मिलकर धूमधाम से मनाएगी ।साथ ही समय-समय पर अन्य सामाजिक कार्यों में भी अपनी पूरी भागीदारी निभाएगी। नवगठित पदाधिकारियों को संस्था संरक्षक कश्मीरी लाल साहनी, सुभाष मोंगा, रमेश सडाना, पूर्व अध्यक्ष नरेंद्र साहनी, प्रेम मदान, महेश आहूजा, हरिमोहन अरोरा, डॉ अतुल राजपाल, डॉ विनय खुल्लर, डॉ एन के मेहता, महेश आहूजा हनी, राजीव बग्गा, किशनलाल राजपाल, विनय विरमानी, जग मोहन साहनी, संजय बग्गा, अशोक मोंगा, राजू आनंद, सुनील सूरी, सचिन साहनी, अंकुर मोंगा, पंकज साहनी, ज्ञान स्वरूप ग्रोवर, अमित राजपाल, गौतम साहनी, पंकज आनंद, अतुल वर्मा, हिमांशु ढींगरा, रोहित बजाज, मोहित सडाना, राजेंद्र भारद्वाज, विशाल वोहरा, अजय गुम्बर, सवित सडाना, चेष्ठा सडाना आदि ने शुभकामनाएं दी

न्यूज पोर्टल पत्रकार एसोसिएशन की कार्यकारिणी का हुआ गठन

अल्मोड़ा (उद संवाददाता)। न्यूज पोर्टल पत्रकार एसोसिएशन की प्रथम बैठक जाखनदेवी स्थित कार्यालय में सम्पन्न हुई जिसमें सभी सदस्यों की सम्मति से न्यूजपोर्टल एसोसिएशन की कार्यकारिणी का गठन किया गया। कार्यकारिणी में वेब फास्ट पोर्टल के डी एस सिजवाली उपाध्यक्ष,सत्यपथ न्यूज पोर्टल के कपिल मल्होत्रा सचिव,पहाड़ एक्सप्रेस के राहुल जोशी उपसचिव,आर एन एस न्यूज पोर्टल के विनोद जोशी कोषाध्यक्ष मनोनीत किये गये।इसके अलावा वेदपुंज न्यूज पोर्टल के दयाकृष्ण काण्डपाल एवं अपना उत्तराखंड न्यूज पोर्टल के हरीश त्रिपाठी को सदस्य मनोनीत किया गया।इस अवसर पर एशोसिएशन के अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह रावत ने कहा कि एसोसिएशन का मुख्य लक्ष्य न्यूज पोर्टल पत्रकारों के हितों की रक्षा करना है एवं शीघ्र ही एसोसिएशन के पंजीकरण की कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने बताया कि आगे आने वाले समय में पूरे अल्मोड़ा जिले के न्यूज पोर्टल पत्रकारों को भी इसमें शामिल किया जाएगा। इस अवसर पर उपरोक्त के अलावा एस एस कपकोटी,राजीव कर्नाटक, दीपांशु पाण्डेय,दीपांशु पाण्डेय, संजय अग्रवाल शामिल रहे।

नैनीताल घूमने आए युवकों ने उड़ाई बाईक ,गिरफ्तार

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। नैनीताल घूमने आए युवकों ने लगे हाथ मोटरसाइकिल चोरी कर ली। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दोनों को चोरी की बाईक सहित गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार 1 जुलाई को गिरीश चन्द्र मनवाल पुत्र सतीश चन्द्र सनवाल निवासी तल्ला बयूरा खाम थाना काठगोदाम ने थाना काठगोदाम में तहरीर दी कि 1 जुलाई को उसके आंगन में खड़ी उसकी मोटरसाईकिल संख्या यूके 04 एफ 0883 गायब थी। सीसीटीवी फुटेज चेक करने पर अज्ञात व्यक्ति बाईक को घर से चोरी करते हुए दिखाई दिया।तहरीर के आधार पर थानाध्यक्ष प्रमोद पाठक ने चोरी की घटना का तत्काल संज्ञान लेकर अज्ञात के विरुद्ध पंजीकृत किया। मामले के खुलासे के लिए गठित पुलिस टीम द्वारा मोटर साईकिल की बरामदगी हेतु के आसपास के लोगों से पूछताछ की गई। गश्त के दौरान पुलिस ने कॉलटेक्स के समीप से रेलवे पटरी के पास जाकर देखा तो दो लड़के पटरी के किनारे एक मोटरसाईकिल को ले जाने की कोशिश कर रहे हैं। पुलिस को देख दोनों लड़के भागने की कोशिश करने लगे शक होने पर पुलिस ने दोनों लड़कों को इण्डियन आयल पेट्रोल पम्प के सामने पटरी के किनारे झाडियों के पास चोरी की गई मोटरसाईकिल यूके 04 एफ 0883 के साथ गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ करने पर उन्होंने अपना नाम पता मान सिंह मोर्या पुत्र सेवा राम मोर्या निवासी बिजोरिया स्टेशन रोड नबाबगंज बरेली तथा आदित अली पुत्र आरिफ अली निवासी चौकी हासन खान गली बैलदरान थाना नागफनी मुरादाबाद बताया। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में उनि कृपाल सिंह, का. संतोष बिष्ट, प्रमोद व कारज शामिल थे।

महानगर कांग्रेस ने सबा अंजुम को किया सम्मानित

रूद्रपुर(उद संवाददाता)। वार्ड नंबर दो रेशम बाड़ी निवासी अकील अहमद की पुत्री सबा अंजुम द्वारा झारखंड में आयोजित राष्ट्रीय कबड्डी प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने और उनका चयन राष्ट्रीय खिलाड़ी के प्रशिक्षण के लिए होने पर महानगर कांग्रेस अध्यक्ष सीपी शर्मा के नेतृत्व में कांग्रेसियों ने उनके घर पहुंचकर सबा अंजुम को शॉल ओढ़ाकर और बुके देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर महानगर कांग्रेस अध्यक्ष सीपी शर्मा ने कहा कि सबा अंजुम ने रूद्रपुर ही नहीं बल्कि पूरे प्रदेश को गौरवान्वित किया है। उनकी इस उपलब्धि से शहर के अन्य युवाओं को भी प्रेरणा मिलेगी। श्री शर्मा ने कहा कि रूद्रपुर की बेटी की मेहनत और लगन भविष्य में रंग लायेगी और निश्चित ही वह एक दिन पूरे देश का नाम रोशन करेगी। उन्होंने कहा कि सबा अंजुम की प्रतिभा को निखारने के लिए उनका चयन हिमांचल प्रदेश में होने वाले तीन वर्षीय प्रशिक्षण के लिए हुआ है यह बड़ी उपलब्धि है। शहर की इस बेटी को किसी भी मदद के लिए कांग्रेस हमेशा तत्पर रहेगी। उन्होंने प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से भी इस खेल प्रतिभा को आगे बढ़ाने के लिए मदद देने की मांग की। इस दौरान महानगर कांग्रेस के महामंत्री सुनील आर्या, उपाध्यक्ष सतीश कुमार, पार्षद मोहन खेड़ा, इरफान, अबरार अहमद, अशफाक अली, अमन जोहरी, नंद किशोर गंगवार आदि भी मौजूद थे।

लेखाकार बलवंत पांगती को दी विदाई

गूलरभोज।गदरपुर ब्लॉक में कार्यरत बलवंत पागती लेखाकार के पद से सेवानिवृत्त हो गए हैं उनके सम्मान में व्यापार मंडल गूलरभोज द्वारा कार्यक्रम आयोजित कर उनको भावभीनी विदाई दी गयी। इस अवसर पर व्यापार मंडल अध्यक्ष डॉ कुलदीप रघुवंशी, ओमप्रकाश डोगरा,अशोक वर्मा, अमित कुमार गुप्ता, रामकिशन दहूजा, लच्छू, लवली, राकेश ठुकराल, केशव ठुकराल, मिलन कुमार, डॉ राजू सिद्दीकी आदिउपस्थित थे।

उत्तरांचल दर्पण सम्पादकीय

सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

संसद में नागरिक संहिता

संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई से 11 अगस्त तक चलेगा। मणिपुर हिंसा, समान नागरिक संहिता, अडानी की जेपीसी जांच, महंगाई, बेरोजगारी समेत ऐसे मुद्दे उठाए जाएंगे, जिन पर हंगामा होना निश्चित है। नए संसद भवन में भी यही मानसिकता रहेगी कि विपक्ष मुद्दों पर शोर मचाएगा, नारेबाजी करेगा और सत्ता-पक्ष अपने तरीके से सदन की कार्यवाही चलाना चाहेगा। कुछ मुद्दों पर सरकार की सोच भिन्न हो सकती है, लिहाजा कार्यवाही का स्थगन बार-बार हो सकता है। अब यह कोई नया संस्कार या व्यवधान नहीं है। हालांकि कोई पुष्टि नहीं है, लेकिन माना जा रहा है कि मानसून सत्र में ही समान नागरिक संहिता का विधेयक संसद में पेश किया जा सकता है। उससे पहले विधि आयोग ने 13 जुलाई तक देश की जनता और धार्मिक-सामाजिक संगठनों की राय मांगी है। सबसे विवादास्पद और सनसनीखेज पक्ष यह होगा कि मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने भी अपना मसविदा विधि आयोग के सामने प्रस्तुत करना तय किया है। विधि आयोग की संकलित रपट केंद्र सरकार को सौंपने से पहले संसदीय स्थायी समिति की भी बैठक है, जिसकी अध्यक्षता भाजपा के राज्यसभा सांसद सुशील कुमार मोदी करेंगे। समान नागरिक संहिता पर विपक्ष विभाजित-सा लगता है, लेकिन उसमें गहरी दरारें नहीं होंगी और न ही अभी दोफाड़ के आसार हैं। हालांकि आम आदमी पार्टी (आप), शिवसेना (उद्धव गुट), जनता दल-यू और जद-एस सरीखे विपक्षी सैद्धांतिक तौर पर समान नागरिक संहिता के समर्थन में हैं, जबकि कुछ दल फिलहाल विचार कर रहे हैं। जद-एस तो विपक्षी एकता की छतरी तले अभी नहीं है और 'आप' का मन डांवाडोल है। शरद पवार की एनसीपी का रुख अभी आधा-अधूरा है। बहरहाल विपक्षी एकता की अगली बैठक 13-14 जुलाई को बेंगलुरू में होगी। भाजपा कोशिश कर रही है कि एनडीए के पुराने घटक-दलों को फिर साथ में लाकर गठबंधन का विस्तार किया जाए। तेलुगूदेशम पार्टी के अध्यक्ष चंद्रबाबू नायडू केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात कर चुके हैं। उप्र में ओम प्रकाश राजभर मुख्यमंत्री योगी से मिल चुके हैं।पंजाब में अकाली दल के नेताओं से भी बातचीत जारी है,लेकिन अकाली फिलहाल नागरिक संहिता के खिलाफ हैं। बहरहाल इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री मोदी के सार्वजनिक संबोधन के बाद हलचलें बढ़ गई हैं। अभी संसद का पूरा शीतकालीन सत्र सत्ता-पक्ष के लिए शेष है।

होलकर एडवेंचर चैलेंज में बच्चों ने दिखाया जोश

देहरादून(उद संवाददाता)। होलकर एजुकेशनल ट्रस्ट ने, डेकाथलॉन देहरादून के सहयोग से रविवार को प्रतिष्ठित एडिफाई वर्ल्ड स्कूल में होलकर एडवेंचर चैलेंज का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में कई स्कूलों के प्रतिभागियों ने अत्यधिक उत्साह के साथ भाग लिया और सभी को एक उत्साहजनक अनुभव प्राप्त हुआ। स्पोर्ट क्लाइंबिंग, फ्रीस्टाइल स्विमिंग और वाटर पोलो ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर लिया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व अंतर्राष्ट्रीय फुटबॉल खिलाड़ी मनीष मैठाणी और सम्मानित अतिथि के रूप में आर्मी पब्लिक स्कूल, क्लेमेंट टाउन, के एस. ओ. लेफ्टिनेंट कर्नल गुंजन पाठक उपस्थित थे। होल्कर एडवेंचर चैलेंज ने स्वस्थ प्रतिस्पर्धा, सौहार्द और खेल कौशल की भावना को बढ़ावा देते हुए विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थियों को एक साथ एक मंच पर इकत्रित किया। प्रतिभागियों ने कठिन चुनौतियों की श्रृंखला में अपने कौशल और फिटनेस का प्रदर्शन किया, जिससे यह आयोजन शारीरिक और मानसिक कौशल की सच्ची मिसाल बन गई। होल्कर एडवेंचर चौलेंज के दौरान स्पोर्ट क्लाईबिंग एक प्रमुख आकर्षण रही और प्रतिभागियों ने अपनी कुशलता और दृढ़ संकल्प के साथ ऊंची दीवारों को पार किया। तैराकी की फ्रीस्टाइल प्रतियोगिताओं ने कार्यक्रम में एक जोश भर दिया, जिसमें प्रतिभागियों ने प्रभावशाली गति और तकनीक के साथ पानी में तैरना शुरू किया। माहौल रोमांचक था क्योंकि तैराकों ने अपने कौशल का प्रदर्शन किया और शीर्ष सम्मान के लिए प्रतिस्पर्धा की। वाटर पोलो, जोकि एक गतिशील और टीम-उन्मुख खेल है और जो अपने तेज गति वाले एक्शन और रणनीतिक गेमप्ले से दर्शकों को आकर्षित करता है। प्रतिभागियों ने जीत के लिए प्रयास करते हुए, स्विमिंग पूल में गेंद को घुमाते हुए उत्कृष्ट टीम वर्क, धीरज और सटीकता का प्रदर्शन किया। मुख्य अतिथि मनीष मैठाणी ने प्रतिभागियों तथा दर्शकों को संबोधित किया और युवा एथलीटों को खेल के प्रति अपने जुनून को आगे बढ़ाने और समर्पण और अनुशासन के मूल्यों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। सम्मानित अतिथि, लेफ्टिनेंट कर्नल गुंजन पाठक, ने प्रतिभागियों को शिक्षा और खेल के प्रति समर्पण हेतु प्रेरित किया। होल्कर एजुकेशनल ट्रस्ट के ट्रस्टी, एडवोकेट पंकज होल्कर ने कहा, हमें होल्कर एडवेंचर चैलेंज की सफलता पर बेहद गर्व है। इस कार्यक्रम ने विभिन्न स्कूलों के प्रतिभागियों की अविश्वसनीय प्रतिभा और खेल कौशल का प्रदर्शन किया। हम मनीष मैथानी और लेफ्टिनेंट कर्नल गुंजन पाठक के आभारी हैं, जिन्होंने अपनी उपस्थिति से हमें सम्मानित किया। इस अवसर पर एड वोकेट पंकज होल्कर ने स्पॉट क्लाइम्बिंग और फुटबॉल अकादमी आरंभ करने की घोषणा की। एडिफाई वर्ल्ड स्कूल की प्रधानाचार्या श्रीमती हरलीन कौर चौधरी ने कहा कि विद्यार्थी जीवन में शिक्षा के साथ साथ खेल का भी अत्यधिक महत्त्व है। होल्कर एडवेंचर चैलेंज जैसे कार्यक्रम एक नया आयाम स्थापित करते हैं। ऐसे कार्यक्रम बौधिक विकास के साथ साथ शारीरिक विकास करते हैं और सहयोग की भावना जागृत करते हैं ।

सावरकर के पाठ से विद्यार्थियों को मिलेगी प्रेरणा

मध्यप्रदेश के शासकीय विद्यालयों में अब स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की जीवनियां पढ़ाई जाएगीं। इनमें एक पाठ महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी सावरकर का भी होगा। वे ऐसे इकलौते सेनानी थे, जिन्हें एक जन्म में दो-दो बार आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। 1857 के स्वतंत्रता संग्राम के वे पहले लेखक है। इन्होंने ही इस आंदोलन को प्रथम स्वतंत्रता संग्राम कहा और इतिहास सम्मत करीब एक हजार पृष्ठ की किताब लिखी। इनके अलावा भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु और भगवान परशुराम की जीवनियां भी पढ़ाई जाएगीं। यह जानकारी मध्यप्रदेश सरकार में शालेय शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने दी है। वाकई क्रांतिकारियों को यह सम्मान देना राष्ट्रीय दायित्व तो है ही, विद्यार्थिओं में राष्ट्रबोध और जीवन संघर्ष का भाव पैदा करना भी है। यही सही है कि इतिहास हमेशा विजेता अपनी इच्छानुसार लिखवा लिया करते हैं। किंतु इसे देश और देश के राष्ट्र-नायकों का दुर्भाग्य ही कहा जाएगा कि 1947 में स्वतंत्र राष्ट्र के अस्तित्व में आने के बावजूद भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन का इतिहास अंग्रेज शासकों की मानसिकता से लिखा गया। यही नहीं, वामपंथी इतिहासकारों ने आक्रांताओं को महिमामंडित किया और भारत के मूल निवासी आर्यों को हमलावर बताया। इस दृष्टि से हमें सावरकर पर न केवल तथ्यपरक दृष्टि अपनाने की जरूरत है, बल्कि समूचे भारतीय इतिहास के पुनर्लेखन की भी आवश्यकता है। क्योंकि इन तथाकथित इतिहासज्ञों ने हिंदू व मुसलमानों में सामंज्य बिठाने के बहाने इतिहास का विकृतिकरण कहीं ज्यादा किया। इस तथ्य से कौन दोमत हो सकता है कि सावरकर ने यदि '1857 का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम' पुस्तक न लिखी होती तो इसे भारत का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम शायद ही माना जाता ? हालांकि सावरकर का एक वीर योद्धा और इतिहास लेखक के रूप में सम्मान इंदिरा गांधी भी करती थीं। प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने भी इस तथ्य की पुष्टि की थी। मई 1970 में इंदिरा गांधी ने सावरकर पर डाक टिकट जारी करते हुए कहा था कि 'हम सावरकर के खिलाफ नहीं हैं। वे जीवन भर जिस हिंदुत्वादी विचार का समर्थन करते रहे, हम उसके जरूर खिलाफ हैं। वे सावरकर ही थे, जिन्होंने 1857 को प्रथम स्वतंत्रता संग्राम का नाम दिया। सावरकर ने ही लंदन में पहली बार सशस्त्र क्रांतिकारी आंदोलन संगठित को सक्रिय किया। दरअसल बाल गंगाधर तिलक और श्याम वर्मा ने उन्हें बैरिस्टर की शिक्षा लेने के बहाने 1906 में क्रांतिकारी आंदोलन को हवा देने की दृष्टि से लंदन भेजा था। तिलक उनसे इसलिए प्रभावित थे, क्योंकि सावरकर 1904 में ही 'अभिनव भारत' नाम से एक संगठन अस्तित्व में ले आए थे। लंदन जाने से पहले इसका दायित्व उन्होंने अपने बड़े भाई गणेश सावरकर को सौंप दिया था। इन दोनों भाईयों का मार्गदर्शन तिलक ही कर रहे थे। बावजूद 2018 में जब मध्यप्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनी और कमलनाथ मुख्यमंत्री बने, तब उन्होंने एक विद्यालय में वीर सावरकर पर लिखी किताब बांटने पर प्राचार्य को निलंबित कर दिया था। लंदन के इंडिया हाउस में ठिकाना बनाकर सावरकर ने भारतीय छात्रों को स्वतंत्रता के लिए एकत्रित किया। इनमें राष्ट्रवाद का अलख जगाया। यहीं इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहे मदनलाल ढींगरा को अपने प्रभाव में लिया। इसी दौरान सावरकर ने इटैलियन क्रांतिकारी पात्रिका का मराठी में अनुवाद किया और उसे प्रकाशित कराकर भारत में वितरित किया। इसकी प्रस्तावना बेहद प्रभावशाली ढंग से सावरकर ने लिखी, जिसकी तिलक भी खूब प्रशंसा करते थे। 1906 ने सावरकर ने 1857 का स्वतंत्रता समर पुस्तक लिखने का संकल्प लिया। 10 मई 1907 को इस संग्राम की लंदन के ही इंडिया हाउस में 50वीं वर्षगांठ मनाने का निश्चय किया। इस हेतु सावरकर ने 'फ्री इंडिया सोसायटी' के नेतृत्व में एक भव्य आयोजन की रूपरेखा बनाई। फिरंगी हुकूमत को जब इसकी भनक लगी तो उसने इस आयोजन पर अंकुश लगाने के हर संभव प्रयास किए। किंतु सावरकर के वाक्चातुर्य और कानूनी दांव-पेंच के चलते अंग्रेज प्रशासन रोक नहीं पाया। इसी दिन ओजस्वी भाषण देते हुए सावरकर ने इसे तार्किक रूप में सैन्य विद्रोह अथवा गदर के रूप में खारिज किया और अंग्रेजी सत्ता के विरुद्ध स्वतंत्रता संग्राम का पहला सशस्त्र युद्ध घोषित किया। इस पहली लड़ाई को 'संग्राम' का दर्जा देने वाले वे पहले भारतीय थे। इंडिया हाउस में रहते हुए ही सावरकर ने मराठी एवं अंग्रेजी में '1857 का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम 'शीर्षक से करीब एक हजार पृष्ठों की इतिहास -पुस्तक लिखी। भारतीय दृष्टिकोण और ऐतिहासिक सच्चाइयों को तथ्य, साक्ष्य व घटनाओं के साथ किसी भारतीय इतिहास लेखक द्वारा लिखी यह पहली इतिहास-पुस्तक थी। इसके बाद स्वतंत्रता पर 'भारत में अंग्रेजी राज' शीर्षक से पंडित सुंदरलाल ने दो खंडों में पुस्तक लिखी। भारत में अंग्रेजों ने किन-किन कुटिलताओं, लूट की वारदातों और हिंसक घटनाओं को अंजाम देकर दमनकारी राज की स्थापना की, इसके प्रमाणों का दस्तावेजीकरण केवल इन्हीं पुस्तकों में है। दुर्भाग्य से ये दोनों ही पुस्तकें भारत में इतिहास के पाठ्यक्रमों और इतिहास शिक्षकों की दृष्टि से ओझल हैं। खैर, सावरकर को इस पुस्तक के प्रकाशन में बड़ी समस्या पेश आई, क्योंकि अंग्रेज उनकी प्रत्येक गतिविधि पर निगाह रखे हुए थे। अंग्रेजों ने इस पाण्डुलिपि को पढ़े बिना ही इसके प्रकाशन पर कानूनी रोक लगा दी। यह पहली ऐसी भारतीय पुस्तक थी, जिसे कानूनी प्रतिबंध का सामना करना पड़ा। इसे अंग्रेजी में 'द हिस्ट्री ऑफ द बार ऑफ इण्डिन इंडिपेंडेंस 1857' शीर्षक से लिखी।' इसे लंदन, पेरिस व जर्मनी से प्रकाशित कराने के प्रयास जब असफल हो गए, तब अंतत: मैडम कमा की कोशिश से हॉलैंड से छपाया गया। पुस्तक उत्साही युवा फ्रांस के रास्ते से भारत लाए। पहला संस्करण प्रतिबंध के बावजूद हाथों-हाथ बिक गया। स्वाधीनता के प्रति समर्पित क्रांतिकारियों ने इसे 'गीता' की तरह अपने पास रखा और स्वतंत्रता समर में आहुति देने की प्रेरणा ली। इसका दूसरा संस्करण भी मैडम कामा ने ही जर्मनी से प्रकाशित कराया। पाठकों को आश्चर्य होगा कि वामपंथी विचारों से प्रेरित माने जाने वाले उद्भट्ट क्रांतिकारी भगतसिंह ने इसका तीसरा संस्करण प्रकाशित कराया और मूल्य भी ज्यादा रखा, जिससे संगठन के लिए धन इकट्ठा किया जा सके। पुस्तक प्रकाशन के लिए भगतसिंह ने सावरकर से रत्नागिरी में मुलाकत करके अनुमति ली थी। इस पुस्तक को लोग ढूंढ-ढूंढकर पढ़ते व पढ़ाते थे। इसी कालखंड में सावरकर और मैडम कामा ने मिलकर 'राष्ट्रीय -ध्वज' बनाया। दरअसल जर्मनी के स्टूगार्ड नगर में समाजवादियों का वैश्विक सम्मेलन आयोजित था। सावरकर की इच्छा थी कि इसमें कामा द्वारा भारत के ध्वज का ध्वजारोहण किया जाए। सावरकर इस उद्देश्य की पूर्ति में सफल हुए। इस ध्वजारोहण की खबर ब्रिटेन समेत दुनिया भर के समाचार-पत्रों में प्रमुखता से छपी। ब्रिटिश विरोधी यूरोप के कई देशों ने तो इस क्रांतिकारी कार्यवाही को ब्रिटिश साम्रज्य के लिए लज्जा का विशय बताया। सावरकर के इस अभियान से प्रभावित होकर रूसी क्रांतिकारियों से उनकी निकटता बढ़ गई। नतीजतन इन्हीं से सावरकर को बम बनाने की तकनीक सिखाने वाली पुस्तक मिली। भारत में इसी पुस्तक से क्रांतिकारियों ने बम बनाने की दक्षता हासिल की। दरअसल सावरकर चाहते थे कि समूचे भारत में एक दिन, एक ही समय अंग्रेजी-सत्ता के कई ठिकानों पर बम-विस्फोट करके इसकी चूलें हिला दी जाएं। हालांकि सावरकर तो यह नहीं कर पाए, लेकिन भगत सिंह और उनके समकालीन क्रांतिकारियों ने सावरकर की इस मंशा की कालांतर में पूर्ति की। इस समय तक सावरकार तिलक के बाद सबसे ज्यादा ख्यातिलब्ध क्रांतिकारी हो गए थे। इसी कालखंड में 11 अगस्त 1908 को 18 साल के बंगाली युवा खुदीराम बोस, कन्हैयालाल दत्त, सतिंदर पाल तथा पं. कांशीराम को फांसी दी गई। खुदीराम पर 6 दिसंबर 1907 को बंगाल के नारायण गढ़ रेलवे स्टेशन और फिर मुजफ्फपुर में अंग्रेज अधिकारी किंग्सफोर्ड की बग्घी पर बम फोड़ने के आरोप थे। बग्घी में एक अन्य अंग्रेज अधिकारी की पत्नी और बेटी बैठी थीं, जिनकी इस विस्फोट में मौत हो गई थी। 'गीता' हाथ में लेकर फांसी का फंदा चूमने वाले खुदीराम सबसे कम उम्र के क्रांतिकारी थे। इन सजाओं से सावरकर बहुत विचलित हुए और उन्होंने इन फांसियों के जिम्मेबार अधिकारी एडीसी सर कर्जन वायली से बदला लेने की ठान ली। मदनलाल ढींगरा ने उनकी इस योजना में जान हथेली पर रखकर शिरकत की। सावरकर ने उन्हें रिवॉल्वर हासिल कराई। जब कर्जन लंदन में भारतीयों के एक कार्यक्रम में भागीदारी करने आए, तब दुस्साहसी ढींगरा ने अवसर पाते ही कर्जन के मुंह में पांच गालियां उतार दीं और आत्मसमर्पण कर दिया। इस जानलेवा क्रांतिकारी गतिविधि से अंग्रेज हुकूमत की बुनियाद हिल गई। ब्रिटेन व यूरोप के अखबारों में ब्रिटिशों को परेशानी में डाल देने वाले शीर्शक से समाचार छपा कि 'हिंदुस्तानियों ने अंग्रेजों के विरुद्ध अंग्रेजों की ही धरती पर युद्ध प्रारंभ कर दिया है।' इस घटना के फलस्वरूप समूचे भारत में अंग्रेजों के विरुद्ध माहौल बनने लगा। कुछ अंग्रेज भक्त भारतीयों ने इस घटना की निंदा के लिए लंदन में आगा खां के नेतृत्व में एक सभा आयोजित की। इसमें आगा खां ने कहा कि 'यह सभा आम सहमति से एक स्वर में मदनलाल ढींगरा के कृत्य की निंदा करती है।' किंतु इसी बीच एक हुंकार गूंजी, 'नहीं ऐसा कभी नहीं हो सकता। मैं इस प्रस्ताव का विरोध करता हूं।' इस समय तक आगा खां सावरकर को पहचानते नहीं थे। तब उन्होंने परिचय देने को कहा। सावरकर बोले, 'जी मेरा नाम विनायक दामोदर सावरकर है और मैं इस प्रस्ताव का समर्थन नहीं करता हूं।' अंग्रेजों की धरती पर उन्हीं के विरुद्ध हुंकार भरने वाले वे पहले भारतीय थे। इसी समय सावरकर को अपने इकलौते पुत्र प्रभारकर की मृत्यु का समाचार मिला। किंतु वे विचलित नहीं हुए। यही वह समय था, जब ब्रिटिश सरकार उनकी गतिविधियों और सत्ता में बढ़ते दखल से तंग आ चुकी थी। लिहाजा उन्हें ब्रिटिश सरकार के विरुद्ध युद्ध करने, युवाओं को भड़काने और बम बनाने का साहित्य प्रसारित करने के अरोपों में 13 मार्च 1910 को गिरफ्तार कर लिया। लंदन की ओल्ड बिकी कोर्ट में उन्हें उपस्थित किया गया। यहां उन पर भारत में अभियोग चलाने का आदेश दिया गया। जिस जहाज से उन्हें भारत ले जाया जा रहा था, वह फ्रांस के बंदरगाह मॉसे से गुजरता था। इसलिए उन्होंने मॉसे पहुंचने पर जहाज से छलांग लगा देने की योजना बनाकर अपने साथियों को सूचना भिजवा दी कि मॉसे के तट पर मिलें। वे जानते थे कि यदि इस योजना में सफल हो जाते हैं तो फ्रांस की धरती पर पहुंच जाने के कारण अंग्रेज उन्हें गिरफ्तार नहीं कर पाएंगे। दूसरे अंग्रजों की व्यवस्था में सेंध लग जाती है तो अखबारों में उनका माजक उड़ेगा। अंतत: मॉसे पहुंचने पर सावरकर शौचालय की खिड़की से समुद्र में कूंदने में तो सफल हो गए, लेकिन तट पर पहुंचने से पहले ही पकड़ लिए गए। उनकी यह घटना 'वीर सावरकर की छलांग' के नाम से जानी जाती है। 24 सितंबर 1910 को उन्हें अदालत में पेश किया गया। यहां उन्हें दोहरे आजीवन करावास की सजा दी गई और अंडमान-निकोबार की कालापानी जेल भेज दिया गया। यहां की काल-कोठरी में अमानवीय अत्याचार भोगते हुए उन्होंने दस साल यातनामयी जीवन गुजारा। तत्पश्चात माफीनामा लिखकर उन्होंने जेल से मुक्ति पाई। इस कोठरी पर भी कालजयी साहित्य की वे रोजाना नई पंक्तियां लिखते थे और उन्हें कंठस्थ करने के बाद मिटाकर फिर नई पंक्तियां लिखते थे। यह माफीनामा उन्होंने केवल अपने जीवन की सुरक्षा के लिए न लिखकर, जेल से बाहर आने का बहाना ढूंढने के लिए लिखा था। क्योंकि दूसरा विश्व युद्ध शुरू हो गया था और सावरकर इसमें भागीदारी करके आजादी का रास्ता तलाशने के इच्छुक थे। शायद इसीलिए महात्मा गांधी ने 8 मई 2021 को 'यंग इंडिया' में लिखा था, 'यदि भारत इसी तरह सोया रहा तो मुझे डर है कि उसके दो निश्ठावान पुत्र सावरकर और उनके बड़े भाई गणेश हाथ से चले जाएंगे। लंदन में मुझे सावरकर से भेंट का सौभाग्य मिला था। वे बहादुर हैं, चतुर हैं और देशभक्त क्रांतिकारी हैं। ब्रिटिश प्रणाली की बुराईयों को उन्होंने बहुत पहले ही ठीक से समझ लिया था।' याद रहे नजरबंद सुभाशचंद्र बोस को भारत से बाहर जाकर ब्रिटेन के शत्रु राश्ट्रों से सैनिक सहयोग लेने की सलाह सावरकर ने ही दी थी। बोस का देश से पलायन और फिर आजाद हिंद फौज के सेनापति के रूप में सामने आना ही, ऐसा एक बड़ा कारण था, जिसने अंग्रेजों को भारत छोड़ने के लिए विवश किया था। क्योंकि उन्होंने उस सेना को ही अंग्रेजों के विरुद्ध खड़ा कर दिया था, जिसके बूते अंग्रेज भारत को गुलाम बनाए हुए थे। ऐसे महान बलिदानी सावरकर की जीवनी आपत्ति दर्ज कराना व्यर्थ है ?

प्रमोद भार्गव,लेखक,पत्रकार

बारिश से दुकानों में घुसा पानी, लाखों का नुकसान

गदरपुर(उद संवाददाता)। मूसलाधार बरसात होने से नगर के कई वार्डों के अलावा गूलरभोज रोड पर पानी का जलभराव हो गया। जिससे पानी कई दुकानों में घुस गया। दुकानदारों का लाखों रुपए का नुकसान हो चुका हो गया। बरसात रुकने के बाद सामान्य स्थिति हो गयी। रविवार को सुबह तड़क से हो रही मूसलाधार बारिश होने से नगर के निचले इलाकों में पानी भर गया। इसके अलावा गूलरभोज रोड पर भी 2 फुट पानी भर जाने से व्यापारियों की दुकानों में पानी घुस गया। प्रात: काल होने से व्यापारी अपने घरों में सो रहे थे। जब तक उन्हें इसकी जानकारी मिली तब तक उनही दुकानों में पानी भर गया और जिससे लाखों रुपये के सामान का नुकसान हो चुका था। पालिका कर्मी बरसात होते ही नाले खोलने में लग गये थे। लेकिन बरसात तेज हाने होने की वजह से नाले ओवरफ्लो हो गये। जिससे पानी की निकासी ना होने से गुलरभोज रोड पर पानी भर गया। बरसात रुकने के बाद पानी की निकासी हो पाई और पानी दुकानों से निकल गया। परंतु तब तक दुकानदारों एवं घरों में घुसे पानी से काफी नुकसान हो चुका था । सभासद मनोज गुंबर ने बताया कि भारी वर्षा होने से नालियां ओवरफ्लो हो गई और नालियों का गंदा पानी लोगों के घरों में घुस गया इससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ गया वही जल निकासी व्यवस्था दुरुस्त ना होने से लोगों को वर्षा के दिनों में बरसात के दिनों में परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

मांगों को लेकर पूर्व सैनिकों ने की भूख हड़ताल

केंद्र सरकार पर लगाया पूर्व सैनिकों की उपेक्षा करने का आरोप

बागेश्वर(उद संवाददाता)।अपनी पांच सूत्रीय मांगों को लेकर पूर्व सैनिकों ने केंद्र सरकार के अधिकारियों को सैनिकों से अधिक वेतन भत्ते और अन्य देयक देने के मामले में विरोध का विगुल बजा दिया है।पूर्व में केंद्र सरकार द्वारा अधिकारियों को मनचाहा वेतन और पूर्व सैनिकों के वेतन भत्ते में कटौती करने को लेकर आवाज उठाते हुए तत्काल वेतन विसंगति को ठीक करने की मांग उठाई थी।अब पूर्व सैनिक संगठन केंद्र सरकार से आरपार की लड़ाई लड़ने को मुखर हो गया है।संगठन ने चेतावनी स्वरूप जिला मुख्यालय में एक दिवसीय भूख हड़ताल कर विरोध जताया। यहां हुई सभा में वक्ताओं ने कहा कि जब तक

उनकी मांगों को नही माना जाता तब तक वह चुप नहीं रहेंगे।कहा कि देश की सीमाओं में सजग प्रहरी के रूप में देश सेवा की है, फौजी होने के नाते अपने अधिकारों का हनन किसी को भी नही करने दिया जाएगा। वन रैंक, वन पेंशन को लेकर सरकार उन्हें अधिकारियों के साथ मिलकर गुमराह किया है। जिसे कतई सहन नहीं किया जाएगा।पहली किस्त में उन्हें सही से भुकतान कराया गया पर फेज टू में पूरी तरह पूर्व सैनिकों को अपमानित किया गया है। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत रविवार को सभी पूर्व सैनिक जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे। यहांबिरोध स्वरूप नारेबाजी के साथ एकदिवसीय सांकेतिक भूख ड़ताल पर बैठ गए। सभा में वक्ताओ ने कहा कि वैटरन्स एसोसिएशन दिल्ली के समर्थन में यह आंदोलन चल रहा है। वक्ताओं ने वेतन विसंगति दूर करने एमएसपी, विध वा पेंशन डिस्वैली पेंशन व पीएमआर की विसंगति दूर करने की मांग की। उन्होंने कहा कि अपनी न्यायोचित मांगों को लेकर वह आंदोलित हैं। छठे पे कमीशन के बाद सर्विस पेंशन में जवानों के साथ धोखा जबकि अधिकारियों को मुँहमाँगा लाभ पहुंचाने का काम किया है। उनकी पेंशन बार-बार बढ़ाई गई है। जब तक उनकी मांगों को माना नहीं जाता तब तक आंदोलन जारी रहेगा।कहा कि एक अधि कारी पर सौ जवानों को केंद्र सरकार द्वारा वेतन विसंगति के नाम पर छलावा किया गया है, जल्द लंबित मांगो का समाधान नही होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी। इस मौके पर संगठन अध्यक्ष बलवंत सिंह,सैनिक लीग अध्यक्ष दरवान सिंह हरड़िया,संयोजक कुंदन सिंह ऐठानी, सचिव भूपेश सिंह, डीपी भट्ट, दलीप सिंह हरड़िया, चामू सिंह देवली, बिशन सिंह ठठोला,मदन सिंह नगरकोटी, देवीदत्त पाठक, किशन रौलेला,गोविंद पंत,राजेंद्र नगरकोटी, मोहन सिंह कनवाल, धीरज जोशी, हेम पाठक, केवल कर्नाटक आदि मौजूद रहे।

उजाड़े जाने के खिलाफ सड़कों पर उतरे ठेला फड़ कारोबारी

रामनगर(उद संवाददाता)। रानीखेत रोड पर अतिक्रमण के नाम पर हटाए गए सैकड़ों फड एवं ठेलें कारोबारियों ने स्थानीय प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जताते हुए प्रदर्शन किया और तहसील कार्यालय पहुंचकर धरना दिया। प्रदर्शनकारियों का आरोप था कि कुछ दिन पूर्व स्थानीय प्रशासन व नगर पालिका प्रशासन द्वारा अतिक्रमण के नाम पर उन्हें उजाड़ने के साथ ही बेरोजगार करने की कार्रवाई की गई तथा अधि कारियों द्वारा आश्वासन दिया गया था कि बेंडर जॉन के माध्यम से उन्हें ठेले एवं फंड लगाने की अनुमति दी जाएगी लेकिन

आज तक ना तो बैंडर जोन की स्थापना प्रशासन द्वारा की गई है और ना ही उन्हें रोजगार उपलब्ध कराया गया है उन्होंने कहा कि आज उनके आगे रोजी-रोटी का संकट गहराने लगा है लेकिन अधिकारी उनकी समस्या का समाधान नहीं कर रहे हैं उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि उनकी मांग शीघ्र पूरा नहीं किया गया तो वे उग्र आंदोलन करने के लिए मजबूर होंगे।

पेज एक का शेष...

राष्ट्र निर्माण में हर...हमने एक ग्रिवियंस सेल का गठन किया। 900 से अधि क शिकायतें मिली, जिनमें तकरीबन 500 समस्याओं का हम निस्तारण कर चुके हैं। आज का कार्य बलिदानियों के प्रति आदर और सम्मान का प्रतीक है। कहा कि सीएसडी और ईसीएचएस के जो मानक मैदानी क्षेत्रों के लिए हैं,वही पर्वतीय क्षेत्रों के लिए नहीं हो सकते। सीडीएस से आग्रह करूंगा कि सीएसडी, ईसीएचएस और सैनिक कल्याण से जुड़े वरिष्ठ अधिकारियों को उत्तराखंड भेजें। वह यहां की व्यावहारिक दिक्कतों को समझें और उनका समाधान तलाशें। सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि देश की सुरक्षा में तैनात हर पांचवां सैनिक उत्तराखंड से है। देश को जब-जब जरूरत पड़ी उत्तराखंड के वीरों ने अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। कहा कि बलिदानी की कोई जाति या धर्म नहीं होता। बलिदानियों का सम्मान उनकी यादों को संजोए रखना हर नागरिक का कर्तव्य है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हर सैनिक के प्रति अपनत्व और आत्मीयता का भाव रखते हैं। वह हर सैनिक की चिंता करते हैं।उन्हीं की परिकल्पना से आज सैन्यधाम का निर्माण किया जा रहा है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने कहा कि उत्तराखंड देवभूमि ही नहीं वीरभूमि भी है।यह स्थल आने वाली कई पीढ़ियों के लिए प्रेरणा रहेगा।

मूलभूत जन समस्याओं का.....योजनाओं की समीक्षा कर रहे हैं। साथ ही सम्बधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक निर्देश भी दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि सभी योजनाएं वर्ष 2024 तक पूर्ण की जानी हैं इसके लिए विभागीय अधिकारियों से विचार विमर्श भी किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शासन की नई नजूल नीति का अवलोकन करने के पश्चात ही आवश्यक कदम उठाये जायेंगे। डीएम ने कहा कि नगर की कल्याणी नदी से अतिक्रमण हटाने के लिए भी अधीनस्थ अधिकारियों से विचार विमर्श के बाद कार्य योजना तैयार की जायेगी। क्योंकि मानसून आ गया है इसलिए इस कार्य को प्राथमिकता के साथ किया जायेगा। उन्होंने कहा कि आम जनता से जुड़े सभी कार्य कानून व नियमों के अन्तर्गत ही किये जायेंगें। जनपद में सड़क, पेयजल, आवास, बकाया गन्ना भुगतान, विकास आदि समस्याओं का समाध ान करने के लिए सभी विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक करेंगें। उन्होंने कहा कि अतिक्रमण न हो इसके लिए हर व्यक्ति को अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना होगा। वार्ता के दौरान एसएसपी मंजूनाथ टीसी भी उपस्थित थे।

मंदिर से चांदी का ....मंदिर स्थापित है उन्होंने बताया कि तीनों ही मूर्तियों पर विशाल चांदी के मुकुट लगे हुए हैं। रविवार की रात अज्ञात चोरों ने मंदिर परिसर में घुसकर भगवान बलराम के सिर पर लगे 1 किलो चांदी के मुकुट पर हाथ साफ करते हुए चोर मौके से फरार हो गए। उन्होंने बताया कि इस संबंध में पुलिस को जानकारी दे दी गई है वहीं कोतवाली के एसएसआई अनीस अहमद ने बताया कि सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने जानकारी जुटाते हुए जांच शुरू कर दी है।

चाकू की नोक पर...... जान से मारने की धमकी दी। राकेश का कहना है दोनों उसे कमरों के पीछे खींचकर ले गए और एटीएम का पासवर्ड और मोबाइल का गूगल पासवर्ड पूछा नहीं बताने पर उसे लात घूसों से मारा और मुझे गोली से जान से मारने की धमकी दी । जिस कारण उसे एटीएम का पासवर्ड और मोबाइल का गूगल पासवर्ड बताना पड़ा। उसने हॉस्पिटल के गेट को कूद कर अपनी जान बचाई । दोनों लोग उसका एटीएम मोबाइल, मोटर साईकिल संख्या यूके 06 एजी 2145 एवं हेलमेट लेकर भाग गए। राकेश का आरोप है बाद में उसके अकाउंट से 13500 रूपये यूपीआई के माध्यम से निकाल लिए गए हैं । पुलिस ने तहरीर के आधार आरोपियों के विरूद्ध मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सड़क हादसे में...हालत में अस्पताल भर्ती किया गया है। सूचना पर पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना से परिवार में कोहराम है।

लाखों के जेवर .....फांदकर घर में घुसे चोरों ने घर से सात तोला सोना, 250 ग्राम चांदी समेत 50 हजार की नगदी पार कर ली। सूचना पर पुलिस ने घटना स्थल का जायजा लिया और जानकारी ली। घर में घुसे चोरों की फुटेज सीसी टीवी कैमरे में कैद हुयी है जिसके आधार पर पुलिस चोरों की तलाश कर रही है।

डीएम ने किया बैडमिंटन ट्रायल का शुभारम्भ

अल्मोड़ा(उद संवाददाता)। हेमवती नंदन बहुगुणा स्टेडियम में आयोजित अखिल भारतीय सिविल सर्विसेज बैडमिंटन प्रतियोगिता के लिए राज्य स्तरीय बैडमिंटन सिविल सर्विस चयन ट्रायल का शुभारंभ जिलाधिकारी विनीत तोमर द्वारा किया गया। इस दौरान जिलाधिकारी ने स्टेडियम पहुंचकर सर्वप्रथम सभी खेल प्रतिभागियों से

परिचय लिया तथा सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी। इस दौरान उन्होंने कहा कि सभी प्रतिभागी खेल भावना का खयाल रखते हुए अपना अच्छा प्रदर्शन करें। उन्होंने कहा कि जीत व्यक्ति विशेष की न होकर अच्छे प्रदर्शन की होनी चाहिए। इस दौरान जिला खेल अधिकारी अरुण बंग्याल समेत अन्य खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

रोटरी क्लब ऑफ काशीपुर कॉर्बेट को मिले कई अवार्ड

काशीपुर(उद संवाददाता)। रोटरी 3110 के रविवार को सम्पन्न हुए अवार्डस वितरण समारोह 'प्रशस्ति' में रोटरी क्लब आफ काशीपुर कॉर्बेट को क्लब प्रोजेक्टस एवं ऐक्टिविटीज के लिए ,क्लब अवार्डस फॉर एक्सिलेंस के तहत बेस्ट प्रेसीडेंट, बेस्ट सेक्रेटरी के पुरस्कार प्राप्त हुए । रोटेरियन अनिल घई द्वारा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर क्लब की ओर से प्रतिभाग करने के लिए क्लब को तीन ट्रोफियाँ भी प्राप्त हुईं। साथ

ही क्लब अध्यक्षा डॉ. दीपिका गुड़िया आत्रेय को मेजर डोनर के नाते सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रो. पवन अग्रवाल जी के कर कमलों द्वारा प्रदान किए गए। काशीपुर कॉर्बेट पवन अग्रवाल के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता है। इस अवसर पर रो. देवेंद्र अग्रवाल , प्राची अग्रवाल,शरतचंद्रा,रवि प्रकाश, किशोर कतरूँ, राज मेहरोत्रा,रेणु अग्रवाल, सुरुचि सक्सेना,रेखा जिंदल ,अतुल असावा, मनोज चौधरी,राजीव खरबंदा,विनीत अग्रवाल सहित बड़ी मात्रा में रोटरी3110 के वरिष्ठ पदाधिकारी,एवम विभिन्न क्लबों के अध्यक्ष सचिव एवं सदस्य उपस्थित रहे।

गुरू की कृपा से ही प्राप्त होती हैं संसार की संपूर्ण विद्याएँ

आषाढ़ मास की पूर्णिमा व्यास पुर्णिमा कहलाती है। इस दिन गुरू की पूजा की जाती है। पूरे भारत में यह पर्व बड़ी श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। वैसे तो व्यास नाम के कई विद्वान हुए हैं परन्तु व्यास ऋषि जो चारों वेदों के प्रथम

व्याख्याता थे, आज के दिन उनकी पूजा की जाती है। हमें वेंदों का ज्ञान देने वाले व्यासजी ही थे। अत: वे हमारे आदिगुरू हुए। उनकी स्मृति को बनाए रखने के लिए हमें अपने-अपने गुरूओं को व्यासजी का अंश मानकर उनकी पूजा करनी चाहिए। प्राचीन काल में जब विद्यार्थी गुरू के आश्रम में नि:शुल्क शिक्षा ग्रहण करते थे तो इसी दिन श्रद्धाभाव से प्रेरित होकर अपने गुरू की पूजा किया करते थे और इन्हें यशाशक्ति दक्षिणा अर्पण किया करते थे। इस दिन केवल गेंरू की ही नहीं अपितु कुटुम्ब में अपने से जो बड़ा है अर्थात् माता-पिता, भाई-बहन आदि को भी गुरूतुल्य समझना चाहिए। इस दिन प्रात:काल स्नान पूजा आदि नित्यकर्मो से निवृत होकर उत्तम और शुद्ध वस्त्र धारण कर गुरू के पास जाना चाहिए। उन्हें ऊचे सुसज्जित आसन पर बैठाकर पुष्पमाला पहनानी चाहिए। एसके बाद वस्त्र, फल,फूल व माला अर्पण कर तथा धन भेंट करना चाहिए। इस प्रकार श्रद्धापूर्वक पूजन करने से गुरू का आशीर्वाद प्राप्त होता है। गुरू के आशीर्वाद से ही विद्यार्थी को विद्या आती है। उसके हृदय का अज्ञान अन्धकार दूर होता है। गुरू का आर्शीवाद ही प्राणीमात्र के लिए कल्यायणकारी, ज्ञानर्वधक और मंगल करने वाला होता है। संसार की संपूर्ण विद्याएँ गुरू की कृपा से ही प्राप्त होती हैं और गुरू के आशीर्वाद से ही दी हुई विद्या सिद्ध और सफल होती है। इस पर्व को श्रद्धापूर्वक मनाना चाहिए, अंधविश्वासों के आधार पर नहीं। गुरू पूजन का मंत्र है- गुरू ब्रह्मा गुरूर्विशणु: गुरूदेवो महेश्वर:।गुरूसाक्षात्परब्रह्म तस्मै श्री गुरवे नम:।।

प्रस्तुति-नरेश कुमार सेठ,रूद्रपुर

एस सी गुड़िया आईएमटी में केंपस प्लेसमेंट 8 जुलाई को

काशीपुर(उद संवाददाता)। बाजपुर रोड स्थित सत्येंद्र चंद्र गुड़िया इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड लॉ कॉलेज काशीपुर के प्रांगण में आगामी 8 जुलाई को जॉब फेयर 2023 का भव्य आयोजन किया जा रहा है । उक्त जानकारी देते हुए संस्थान के निदेशक डॉक्टर केवल कुमार, यूजी विभाग की प्राचार्य डॉ निमिषा अग्रवाल एवं निदेशक (प्रशासन पी जी) पवन कुमार बक्शी ने संयुक्त रूप ने बताया कि प्ब म्क्न् ज्ञौपचनत एवं सत्येंद्र चंद्र गुड़िया आईएमटी के संयुक्त तत्वाधान में 8 जुलाई को प्रात: 11:00 बजे से केंपस प्लेसमेंट का आयोजन किया जा रहा है जिसमें देश की जानी-मानी मल्टीनेशनल कंपनी विद्यार्थियो का साक्षात्कार लेंगी । कंपनियों में पेटीएम, हिंदुस्तान वैलनेस, एबिक कैश, टेक महिंद्रा एवं माय मनी मंत्रा शामिल है जो संस्थान के बीबीए, बीसीए, बीकॉम ऑनर्स, एवम एमबीए के विद्यार्थियों का कई राउंड में साक्षात्कार लेकर उनका चयन करेंगी । सोमवार से संस्थान के सभी पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियो को इंटरव्यू की तैयारी हेतु डवबा मेपवद भी लगातार जारी रहेगा। यहां बताते चलें कि यह पहला अवसर होगा जब एस सी जी आईएमटी संस्थान के प्रांगण में 5 कंपनीज एक साथ कैंपस प्लेसमेंट के लिए पधार रही हैं यह संस्थान के विद्यार्थियों के लिए सुनहरा अवसर होगा । ज्ञात रहे कि संस्थान इससे पूर्व भी कई केंपस प्लेसमेंट आयोजित कर चुका है इस वक्त संस्थान के विद्यार्थी देश की बड़ी-बड़ी कंपनियों में उच्च पदों पर कार्यरत हैं। संस्थान की प्रबंध समिति इस ओर लगातार प्रयासरत रहती है कि संस्थान में शिक्षारत विद्यार्थियों को उच्च कंपनियों में प्लेस कराकर उनका भविष्य उज्जवल बनाया जा सके इस हेतु लगातार कैंपस प्लेसमेंट के माध्यम से यह अवसर उपलब्ध कराए जाते हैं।

संस्थापक-स्व० हरनामदास सुखीजा एवं स्व०तिलकराज सुखीजा
स्वामित्वाधिकारी,प्रकाशक एवं मुद्रक परमपाल सुखीजा द्वारा उत्तरांचल दर्पण पब्लिकेशन्स, श्याम टाकीज रोड,रुद्रपुर,ऊधमसिंहनगर(उत्तराखण्ड)से मुद्रित एवं प्रकाशित
सम्पादक-परमपाल सुखीजा समाचार सम्पादक-जगदीश चन्द्र
आरएनआई नं.: UTTHIN/2002/8732 समस्त विवाद रूद्रपुर न्यायालय के अधीन होंगे।
E-mail-darpan.rdr@gmail.com,www.uttaranchaldarpan.in
फोन-245886(O)245701(Fax),9897427585,9897427586(Mob.)

Live Healthy... Live Nature...
Live in Kashi Garden

CONSTRUCTING HAPPINESS

RERA APPROVED PROJECT
UKREP05230000497

काशी गार्डन

आवासीय प्लॉट एवं विला

- रेरा एप्रूव्ड कॉलोनी
- 40 एवं 30 फीट की सड़कें
- 4 पार्क
- गेट बंद कॉलोनी
- सीव्रेज व्यवस्था
- ए-क्लास इन्फ्रास्ट्रक्चर
- 90 प्रतिशत तक ऋण सुविधा

साईट ऑफिस - शिमला पिस्तौर, डीपीएस स्कूल के पास, रुद्रपुर

86504-18000